https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

FIRST INDIA

दैनिक हिंदी अखबार

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

Scan to Subscribe

वर्ष: 5 | अंक: 247 जयपुर, सोमवार, 17 अगस्त, 2026 | श्रावण मास, शुक्ल पक्ष-पंचमी, विसं 2083 पृष्ठ: 12 | मूल्य: 3.00

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रगति पथ पर गतिमान राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

17 अगस्त, 2026 | प्रातः 11:30 बजे | कृषि उपज मण्डी, बारां

गरिमामयी उपस्थिति

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

श्री शिवराज सिंह चौहान
माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री

बारां एवं झालावाड़ जिलों के लिए

₹1,258 करोड़ के 98 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण

राजस्थान को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2.89 लाख आवासों के निर्माण हेतु ₹ 4600 करोड़ आवंटित

पंचायत समिति मुख्यालयों पर स्वीकृत प्रोटोटाइप आवासों का शिलान्यास

लाभार्थियों को नवीन आवास की चाबी का वितरण

विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण

कन्वर्जेन्स के तहत लगभग ₹2,400 करोड़ के कार्यों को युक्त धारा पोर्टल पर कार्ययोजना में सम्मिलित करना

• प्रमुख कार्य •

अमृत पोषण वाटिका | अमृत ग्रामीण हाट बाजार | ग्रामीण पुस्तकालय
अमृत संजीवनी पार्क | कांजी हाउस पशु आश्रय स्थल | नमो नर्सरी

डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरण

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना
5 लाख पशुपालकों को ₹280 करोड़

गौशाला अनुदान
751 गौशालाओं को ₹250 करोड़

महिला उत्थान

स्वयं सहायता समूह की दीदियों को ₹10 करोड़ के क्रेडिट लिंकेज चेक का वितरण

राजस्थान महिला निधि की लखपति दीदी ऋण योजना अंतर्गत 957 लखपति दीदियों को ₹8 करोड़ के चेक का वितरण

राजस्थान महिला निधि की समर्थ सखी योजना अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की दीदियों को स्कूटी वितरण

"सशक्त सीएलएफ, समृद्ध दीदी डिजिटल अभियान-2026" का शुभारंभ

ग्राम श्री राजसखी मार्ट 11.77 लाख, बारां का शुभारंभ

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

जरूरी खबर

वाजपेयी को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, कार्यालय सचिव मुकेश पारीक सहित प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान नेताओं ने वाजपेयी के राष्ट्र के प्रति समर्पण, आदर्शों और सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को याद किया। कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों और बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मांगों को लेकर जयपुर में ठेकेदारों का आंदोलन आज

जयपुर। जयपुर में ठेकेदारों का 17 सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार को आंदोलन होगा। वर्कर्स कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राम सिंह शेखावत के नेतृत्व में होने वाले प्रदर्शन में प्रदेशभर से ठेकेदार शामिल होंगे। ठेकेदार PWD व्यवस्था में सुधार और लंबे समय से लंबित भुगतानों के जल्द निस्तारण की मांग उठाएंगे। संगठन की प्रमुख मांगों में अमानत राशि सात दिन में लौटाना, सभी ठेकेदारों के लिए समान भुगतान व्यवस्था लागू करना तथा अतिरिक्त, अधिक और अंतिम बिलों के निस्तारण की समय सीमा तय करना शामिल है। संगठन ने सरकार से वार्ता कर सभी मांगों का शीघ्र समाधान करने की मांग की है। ठेकेदारों का कहना है कि लंबित भुगतान के कारण निर्माण कार्यों से जुड़े व्यवसाय पर असर पड़ रहा है।

फसल बीमा पोर्टल: गांव नहीं दिखने की समस्या होगी दूर

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ-2026 में किसानों को लाभ दिलाने के लिए कृषि विभाग ने राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर गांवों का विवरण अपडेट करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। कुछ जिलों से पोर्टल पर गांवों के नाम प्रदर्शित नहीं होने की शिकायतें मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों से गांवों का विवरण निर्धारित प्रारूप में मांगा गया है। कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि खरीफ-2026 के लिए फसल बीमा की अंतिम तिथि 16 अगस्त निर्धारित है। यह अवधि बढ़ाकर 20 अगस्त किए जाने का अनुरोध सरकार से किया है। अवधि बढ़ने पर सभी पात्र किसान फसलों का बीमा करवा सकेंगे। विभाग ने राजस्व मंडल से प्राप्त गांवों का विवरण पोर्टल पर अपलोड करवाया है।

ओबीसी आरक्षण पर अटका पंचायत चुनाव का गणित

लॉटरी एक महीने टली, जिला प्रमुख की लॉटरी भी दोबारा संभव

- 17-18 अगस्त की लॉटरी स्थगित, अब 17-18 सितंबर को प्रक्रिया, 21 फीसदी आरक्षण का सवाल बना सबसे बड़ा पेंच

बेधड़क | जयपुर

पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच आरक्षण के गणित ने पूरी चुनावी प्रक्रिया को उलझा दिया है। पंचायतीराज संस्थाओं के वार्डों की 17 और 18 अगस्त को प्रस्तावित लॉटरी अचानक स्थगित कर एक महीने आगे खिसका दी गई है। अब पंचायत समिति प्रधान, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्यों के वार्डों की लॉटरी 17 सितंबर, जबकि सरपंच और वार्ड पंचों के आरक्षण की लॉटरी 18 सितंबर को होगी। सरकार ने चुनाव दूसरे चरण में होने की संभावना और हाई कोर्ट के नवंबर तक चुनाव कराने के निर्देशों की पालना को आधार बताया है, लेकिन इसके पीछे ओबीसी आरक्षण का पेच सबसे अहम माना जा रहा है। इधर, सरकार की तरफ से कहा गया है कि पंचायत चुनाव होने में अभी समय है। ऐसे में अगले महीने लॉटरी निकाली जाएगी। दरअसल, नगरीय निकाय और पंचायतीराज चुनाव में ओबीसी को 21 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिलने का मुद्दा पहले से विवाद में है। आरक्षण का निर्धारण होने के बाद अब वार्डों की लॉटरी होनी थी। ऐसे में ऐन वक्त पर पंचायत चुनाव की लॉटरी रोकने से आरक्षण व्यवस्था को लेकर नए सवाल खड़े हो गए हैं। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी तेज है कि यदि ओबीसी आरक्षण के फार्मूले में बदलाव होता है तो जिला प्रमुखों के पदों की आरक्षण लॉटरी भी दोबारा करानी पड़ सकती है।

कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

लॉटरी स्थगित होते ही कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने चुनाव प्रक्रिया आगे खिसकाने की कोशिश बताया है। 20 अगस्त से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा सदन में भी गरमाने के आसार हैं।

आज शहरी निकायों के वार्डों की लॉटरी

इधर, 309 शहरी निकायों के 10,245 वार्डों की आरक्षण लॉटरी 17 अगस्त को जिला स्तर पर होगी। इनमें 10 नगर निगमों के 855, 47 नगर परिषदों के 2,420 और 252 नगर पालिकाओं के 6,970 वार्ड हैं। इनमें 1,933 वार्ड ओबीसी के लिए आरक्षित हैं, जो कुल वार्डों का 18.86 प्रतिशत है। यही आंकड़ा ओबीसी आरक्षण की सियासत का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है।

41 अफसरों के तबादले

निकाय चुनावों से पहले स्वायत्त शासन विभाग ने नगर पालिका सेवा में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 41 अधिकारियों के तबादले व पदस्थापन किए हैं। लंबे समय से एपीओ चल रहे 24 अधिकारियों को नई पोस्टिंग दी गई है, जबकि 11 अधिकारियों को एपीओ किया गया है। वरिष्ठ आयुक्त से लेकर अधिशासी अधिकारी व राजस्व अधिकारी स्तर के अधिकारी सूची में शामिल हैं।

157 तहसीलदारों के तबादले, 47 नायब तहसीलदार भी बदले

आगामी पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों के मद्देनजर प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। राजस्व मंडल ने 157 तहसीलदारों के तबादले किए हैं। इसके साथ ही 47 नायब तहसीलदारों को भी नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजस्व मंडल के निबंधक की ओर से जारी आदेश के अनुसार स्थानांतरित अधिकारियों को बिना कार्यग्रहण काल का लाभ लिए और अवकाश का उपयोग किए तत्काल नई पोस्टिंग पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

24 एपीओ को पोस्टिंग: लंबे समय से एपीओ चल रहे 24 अधिकारियों को विभिन्न नगर निकायों में आयुक्त, अधिशासी अधिकारी और राजस्व अधिकारी सहित अलग-अलग पदों पर नई जिम्मेदारी दी गई है।

निकाय-पंचायत चुनाव की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार

भाजपा में नियुक्तियों का दौर, कांग्रेस लेगी नेताओं से फीडबैक

- चुनावी मैदान सजने से पहले दोनों दलों ने की गतिविधियां तेज

बेधड़क | जयपुर

नगर निकायों की लॉटरी सोमवार को निकलने जा रही है। चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने पूरी तरह कमर कस ली है। चुनावी मैदान सजने से पहले दोनों दल संगठन को मजबूत करने और रणनीति को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। एक तरफ भाजपा लगातार प्रकोष्ठों, विधि प्रकोष्ठ और जिला प्रभारियों में नियुक्तियां व बदलाव कर चुनाव के लिए मशीनरी को धार दे रही है, वहीं कांग्रेस सोमवार से दो दिन तक प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में महामंथन कर चुनावी तैयारियों का फीडबैक लेगी।

कांग्रेस ने बुलाई दो दिवसीय बैठक

कांग्रेस ने भी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार से दो दिवसीय बैठक बुलाई है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली चुनावी तैयारियों को लेकर नेताओं से फीडबैक लेंगे। तीनों सह प्रभारी चिरंजीवी राव, ऋत्विक मकवाना और पूनम पासवान भी बैठक में मौजूद रहेंगे। पहले दिन 23 जिलों और दूसरे दिन 27 जिलों के नेताओं के साथ बैठक होगी। दो दिनों में करीब 50 जिलों के 500 नेताओं से फीडबैक लिया जाएगा। इसमें विधायक, सांसद, जिलाध्यक्ष, पीसीसी पदाधिकारी और पूर्व जिला प्रमुख शामिल होंगे।

मुद्दों से टिकट तक... कांग्रेस करेगी चुनावी मंथन

कांग्रेस की बैठकों में स्थानीय मुद्दों, संगठन की जमीनी स्थिति, संभावित प्रत्याशियों और टिकट वितरण को लेकर फीडबैक लिया जाएगा। पार्टी यह भी आकलन करेगी कि सरकार के ढाई साल के कार्यकाल में स्थानीय स्तर पर कौन से मुद्दे जनता के बीच प्रभावी हैं और विपक्ष के तौर पर कांग्रेस उन्हें किस तरह चुनावी मुद्दा बनाए। ऐसे में सोमवार की लॉटरी के साथ ही निकाय-पंचायत चुनाव की सियासी तस्वीर साफ होने की दिशा में पहला बड़ा कदम होगा। 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले ये चुनाव भाजपा के लिए सरकार के काम काज पर जनता की मुहर का इम्तिहान होंगे तो कांग्रेस के लिए संगठन और विपक्ष की ताकत परखने का मौका।

भाजपा की केंद्रीय टीम आज जयपुर में बनाएगी चुनावी रणनीति

चुनावी तैयारियों को और धार देने के लिए भाजपा की केंद्रीय टीम सोमवार को जयपुर पहुंचेगी। पार्टी ने पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी को मुख्य चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ सह प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले, रविंद्र इंद्राज सिंह, संगीता यादव, गजेंद्र सिंह पटेल और रोहन गुप्ता भी जयपुर आएंगे। भाजपा मुख्यालय में दोपहर करीब दो बजे बैठक प्रस्तावित है। इसमें चुनाव प्रबंधन और आगामी निकाय-पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर मंथन होगा।

प्रकोष्ठों के जरिए चुनावी टीम तैयार करने की जिम्मेदारी घोषित की

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कई प्रकोष्ठों में नई जिम्मेदारियां घोषित की हैं। आर्थिक प्रकोष्ठ में डॉ. राजा भोज शर्मा को सह संयोजक बनाया गया है। पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ में रिटायर्ड कर्नल देवानंद को सह संयोजक बनाया गया है, जबकि कमांडर बनवारी लाल चौधरी, विकास भालोटिया और कविता सामोता को भी जिम्मेदारी मिली है। ऐसे ही खेल प्रकोष्ठ और विशेष संपर्क प्रकोष्ठ में भी जिम्मेदारी दी गई है और विधि प्रकोष्ठ का भी गठन किया है।

गहलोत ने साधा सरकार पर निशाना

CM चाहें तो CMR में शो करवा लें, तब समझ आएगा जादू

मैजिशियन्स एसोसिएशन की प्रेस वार्ता को संबोधित करते पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

बेधड़क | जयपुर

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने चिर-परिचित 'जादुई अंदाज' में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मैजिक शो देखने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चाहें तो मुख्यमंत्री आवास पर मैजिक शो कराया जा सकता है। मुख्यमंत्री के साथ पूरा मंत्रिमंडल और विधायक शो देखें, तब उन्हें समझ आएगा कि जादू सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि मेहनत, तकनीक, अभिनय और प्रस्तुति का हुनर है। गहलोत ने मैजिशियन्स एसोसिएशन की प्रेस वार्ता में यह बात कही। गहलोत ने जादू की कला को महज मनोरंजन नहीं, बल्कि गंभीर कला और सांस्कृतिक विरासत बताते हुए सरकार से इसके संरक्षण की मांग की। उन्होंने कहा कि जादूगरों के सामने GST बड़ी समस्या है। गहलोत ने कहा कि वे मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य सरकार से प्रधानमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री के समक्ष जादू कला को GST से मुक्त करने की सिफारिश करने का आग्रह करेंगे। पंचायत-निकाय चुनावों को लेकर गहलोत ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाया कि सरकार चुनाव कराने से घबरा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कलेक्टर और एसपी की अलग-अलग बैठकें लेकर उन पर दबाव बना रहे हैं और कह रहे हैं कि भाजपा को जीत दिलानी है।

संजय शर्मा का पलटवार

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने सफाईकर्मियों की भर्ती को लेकर गहलोत के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यह 2012 की भर्ती है, जब गहलोत खुद मुख्यमंत्री थे, जबकि हाई कोर्ट के 2019 के फैसले के बावजूद 2023 तक सफाईकर्मियों को हक नहीं मिला। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर नियुक्तियां दी गईं। उन्होंने तंज कसा 'जादूगर अशोक गहलोत का जादू खत्म हो चुका है, अब राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जादू चलेगा।'

'वंदे मातरम्' के अपमान पर भाजयुमो का मशाल जुलूस

कांग्रेस कार्यालय का किया घेराव

बेधड़क | जयपुर

'वंदे मातरम्' गीत के अपमान के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा, राजस्थान की ओर से रविवार को जयपुर में विशाल मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस भाजपा प्रदेश कार्यालय से शुरू होकर कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में मशाल लेकर शामिल हुए और 'वंदे मातरम्' के सम्मान तथा राष्ट्र भक्ति के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शन में भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री

लोकेंद्र सिंह रायथलिया और प्रदेश महामंत्री ऋषिकेश मीणा सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मशाल जुलूस के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता की लड़ाई, राष्ट्र भक्ति और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। इसके सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि राष्ट्र भावना से जुड़े इस गीत के अपमान को लेकर जनता में आक्रोश है और इसी के विरोध में यह प्रदर्शन किया गया।

भाजपा खेल प्रकोष्ठ

यादव प्रदेश संयोजक व मन्नत बने सह संयोजक

बेधड़क | जयपुर

भाजपा खेल प्रकोष्ठ में सत्यप्रकाश यादव को प्रदेश संयोजक और ताइक्वांडो के ब्लैक बेल्ट खिलाड़ी मन्नत अरोड़ा को प्रदेश सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। अरोड़ा राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और ताइक्वांडो में प्रदेश के लिए पदक हासिल कर चुके हैं। उन्होंने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर का प्रतिनिधित्व करते हुए ताइक्वांडो में उपलब्धि हासिल की है। खेल मैदान के अनुभव के साथ अब उन्हें संगठन में खेल प्रतिभाओं को मंच देने की जिम्मेदारी मिली है। नई जिम्मेदारी पर मन्नत ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री

सत्यप्रकाश यादव

मन्नत अरोड़ा

भजनलाल शर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जिस विश्वास के साथ दायित्व सौंपा है, उसे पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ निभाएंगे। राजस्थान के हर जिले, क्षेत्र और ग्रामीण अंचल में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें उचित अवसर, मार्गदर्शन और मंच उपलब्ध कराने का प्रयास रहेगा।

बेधड़क TOON

-शेखर

कांग्रेस का 'जयपुर बचाओ मार्च', सरकार पर बोला हमला

UD टैक्स व कचरा चार्ज के बहाने साधा निशाना

बेधड़क | जयपुर

नगर निकायों की सोमवार को होने वाली लॉटरी से ठीक एक दिन पहले कांग्रेस ने रविवार को राजधानी जयपुर में सियासी ताकत दिखाई। जयपुर शहर कांग्रेस ने चांदपोल से बड़ी चौपड़ तक 'जयपुर बचाओ मार्च' निकालकर यूडी टैक्स, कचरा उठाने के यूजर चार्ज और शहर की बदहाल व्यवस्थाओं को मुद्दा बनाया। बड़ी संख्या में सड़क पर उतरे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'भाजपा हटाओ-जयपुर बचाओ' के नारे लगाए और जनता पर लगातार आर्थिक बोझ डालने का सरकार पर आरोप लगाया। इस

मार्च को आगामी निकाय चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस ने साफ संकेत दिया कि चुनावी मैदान में स्थानीय मुद्दे उसके निशाने पर रहेंगे। सफाई व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, जलभराव, यूडी टैक्स, कचरा यूजर चार्ज और वार्ड परिसीमन-आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर पार्टी सरकार को घेरने की तैयारी में है। पैदल मार्च में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा सहित कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

सुविधाएं नहीं, नए-नए शुल्क मिल रहे

खाचरियावास ने कहा कि जयपुर की जनता पहले से ही सड़क, सफाई और जलभराव जैसी समस्याओं से परेशान है। बारिश के दौरान शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति सामने आती है, लेकिन सरकार समस्याओं का समाधान करने के बजाय जनता पर नए शुल्क लगा रही है। उन्होंने कचरा यूजर चार्ज पर सवाल उठाते हुए कहा कि पानी के बिल में पहले से नगर निगम से संबंधित राशि ली जा रही है और इसके अलावा यूडी टैक्स भी लिया जा रहा है। अब कचरा उठाने के नाम पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जा रहा है। उन्होंने ने आरोप लगाया कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए सरकार जातियों को आपस में लड़ाने वाले मुद्दों को हवा दे रही है।

'स्थानीय मुद्दे बनेंगे चुनावी हथियार'

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि कांग्रेस आगामी निकाय चुनाव में जयपुर की जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि शहर की सफाई, सड़क, जलभराव और अतिरिक्त शुल्क जैसे मुद्दों पर कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच जाएंगे।

पीपीपी मॉडल पर चलेंगे राज्य के चार प्रमुख हाट

दस्तकारों, बुनकरों और लघु उद्यमियों को मिलेगा आधुनिक बाजार, विपणन और प्रशिक्षण का मंच

बेधड़क | जयपुर

राज्य के दस्तकारों, बुनकरों, महिला स्वयं सहायता समूहों और लघु उद्यमियों के उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने चार प्रमुख हाटों को सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर संचालित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार का उद्देश्य इन हाटों को केवल बिक्री केंद्र न रखकर आधुनिक बाजार और विपणन मंच के रूप में विकसित करना है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से 27 जून, 2026 को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर की गई घोषणा की पालना में यह प्रक्रिया शुरू हुई है। उद्योग प्रोत्साहन संस्थान के माध्यम से रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया जा चुका है और प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी।

पीपीपी मॉडल के तहत अलवर, पुष्कर, जैसलमेर और नाथद्वारा में हाटों का संचालन और प्रबंधन किया जाएगा। यहां दस्तकारों, बुनकरों, लघु उद्यमियों, महिला एसएचजी तथा ओडीओपी और जीआई उत्पादों के प्रदर्शन व विपणन की सुविधा मिलेगी।

प्रशिक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा

हाटों में मेलों और औद्योगिक प्रदर्शनियों के अलावा कौशल विकास सेमिनार, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा और ये हाट पर्यटन व व्यापार के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो सकेंगे।

इससे उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण स्थानीय उत्पाद सीधे मिल सकेंगे और उत्पादकों को उचित मूल्य मिलने की उम्मीद है।

https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

FIRST INDIA

दैनिक हिंदी अखबार

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

Scan to Subscribe

जयपुर, सोमवार, 17 अगस्त, 2026 | श्रावण मास, शुक्ल पक्ष-पंचमी, विसं 2083 | वर्ष: 5 | अंक: 247 | पृष्ठ: 12 | मूल्य: 3.00

जरूरी खबर

अब 17-18 सितंबर को पंचायती राज आरक्षण लॉटरी

जयपुर। राजस्थान में पंचायती राज चुनावों को लेकर आरक्षण लॉटरी की तारीखों में बदलाव किया गया है। अब जिला परिषद सदस्यों, प्रधान और पंचायत समिति सदस्यों के पदों की लॉटरी 17 सितंबर 2026 को जिला स्तर पर होगी। सरपंच और वार्ड पंच के पदों की लॉटरी 18 सितंबर को उपखंड स्तर पर होगी। विभाग ने कलेक्टरों और एसडीओ को तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। हाई कोर्ट के निर्देशानुसार 15 नवंबर तक चुनाव कराने का लक्ष्य है।

आशा सहयोगिनियों के मानदेय में 10 फीसदी बढ़ोतरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन पर महिला एवं बाल विकास से जुड़ी कार्यकर्ताओं को बड़ी सौगात दी। उन्होंने आशा सहयोगिनियों के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की। साथ ही प्रदेश की प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और साथिन को रक्षाबंधन उपहार के रूप में 1,100 प्रति खाते डीबीटी के माध्यम से देने की घोषणा की। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कुल 14.65 करोड़ की राशि डीबीटी की।

5 बार के विधायक ने TMC ऑफिस में फांसी लगाई

कोलकाता/रामपुरहाट। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आशीष बनर्जी का शव रविवार को बीरभूम जिले के रामपुरहाट में पार्टी कार्यालय में फंदे से लटका मिला। मौके से कथित सुसाइड नोट मिला है, जिसकी प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं हुई है। बनर्जी 2001 से 2026 तक रामपुरहाट सीट से विधायक रहे।

गृह मंत्री शाह बोले... वादे पूरे करने की दिशा में तेज गति से काम कर रहे मुख्यमंत्री भजनलाल

अलवर में शाह की हुंकार... निम्बाहेड़ा में अटल गौरव

- अटलजी के नाम पर अलवर मेडिकल कॉलेज का ऐलान
- ₹6,453 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, 10,580 युवाओं को नियुक्ति पत्र
- प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को ₹500 करोड़ का संबल

जनता के मुद्दों से दूर... आपसी झगड़े में उलझे कांग्रेसी नेता: शाह

बेधड़क | अलवर/निम्बाहेड़ा

प्रदेश में रविवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दो बड़े कार्यक्रमों ने विकास के साथ सियासत का भी माहौल गरमा दिया। अलवर के विजय नगर ग्राउंड में आयोजित जनसभा में शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर बड़ा ऐलान करते हुए अलवर मेडिकल कॉलेज का नाम अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखने की घोषणा की। वहीं चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में अटलजी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाह ने अलवर में करीब 700 करोड़ और पूरे राजस्थान में लगभग 6,453 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इस दौरान किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना के तहत किसानों को डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की गई। अलवर में 200 करोड़ के डेयरी प्लांट की आधारशिला रखने के साथ ही 10,580 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। प्रदेश में कुल 6,453 करोड़ के विकास कार्यों से जुड़े 956 कामों का शिलान्यास और भूमि पूजन किया गया।

गृह मंत्री अमित शाह अलवर में विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए। साथ में सीएम भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव।

कांग्रेस पर वार

शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता आपसी झगड़े में उलझे हुए हैं, जबकि भाजपा जनता की सेवा में जुटी है। शाह ने दावा किया कि आगामी पंचायत चुनावों में जनता भाजपा को समर्थन देगी और कांग्रेस का सफाया होगा। शाह ने कांग्रेस पर 'वंदे मातरम्' के अपमान का आरोप लगाते हुए माफी की मांग की। कांग्रेस ने वोट बैंक के लालच में राष्ट्रगीत को भुला दिया।

डेयरी प्लांट से पशुपालकों को मिलेगा सहारा

अलवर में नए डेयरी प्लांट को भी शाह ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ा। उन्होंने तीन लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले प्रोसेसिंग डेयरी प्लांट के भूमि पूजन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी क्षमता भविष्य में पांच लाख लीटर तक बढ़ाई जाएगी। शाह के अनुसार यह परियोजना गरीब पशुपालकों को आर्थिक संबल देगी। इसके अलावा भीलवाड़ा, जयपुर, पाली और राजसमंद में चार अन्य सरस डेयरी प्लांट शुरू किए जा रहे हैं।

अटलजी 'अजातशत्रु'

निम्बाहेड़ा में अटल गौरव स्मृति समारोह में शाह ने वाजपेयी को 'अजातशत्रु' बताते हुए कहा कि उन्होंने सत्ता- विपक्ष दोनों में रहते हुए अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। पीएम के रूप में अटलजी के पोखरण परमाणु परीक्षण, गांवों को सड़कों से जोड़ने और स्वर्णिम चतुर्भुज जैसे फैसलों का भी शाह ने उल्लेख किया।

भजनलाल के नेतृत्व पर शाह की मुहर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे प्रदेश की जनता से किए वादों को पूरा करने की दिशा में तेज गति से काम कर रहे हैं। शाह ने कहा कि राजस्थान लंबे समय से पानी की कमी के लिए जाना जाता था, लेकिन मुख्यमंत्री ने तीन बड़े जल समझौते कर आधे राजस्थान की प्यास बुझाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हरियाणा, गुजरात और पंजाब से पानी लाने का प्रयास किया गया है। प्रदेश को हराभरा बनाने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। शाह ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में ₹35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं और विकास के लिए 36 नई नीतियां बनाई गई हैं।

भीड़ से गदगद शाह

रविवार का दिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए खास रहा। अलवर और निम्बाहेड़ा में अमित शाह की सभाओं में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी ने संगठन की ताकत दिखाई। अलवर में करीब 60-70 हजार और निम्बाहेड़ा में 15-20 हजार लोगों की भीड़ पहुंची। उत्साहित भीड़ को देखकर शाह ने मुख्यमंत्री की पीठ थपथपाई।

भूपेंद्र यादव की संगठनात्मक क्षमता भी आई नजर: अलवर सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की संगठनात्मक भूमिका भी चर्चा में रही। शाह ने उन्हें अपना 'मित्र' कहकर संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान शाह ने नए जिलों में चार नए सहकारी बैंक खोलने सहित कई घोषणाएं कीं।

लालकिले रवाना होने से पहले मोदी ने गायों-मोरों को खिलाया खाना

बेधड़क. नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले से राष्ट्र को संबोधित करने के लिए रवाना होने से पहले की सुबह का वीडियो साझा किया। इसमें वे अपने आधिकारिक आवास पर गायों को चारा और मोरों को दाना खिलाते नजर आए। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हर सुबह अपने दोस्तों को खाना खिलाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि उन्हें जल्दी रवाना होने की जानकारी जैसे पहले ही हो गई थी और वे उनसे मिलने आ गए। प्रधानमंत्री के आवास परिसर में गाय और मोर अक्सर उनकी सुबह की दिनचर्या में नजर आते हैं।

NLU जोधपुर में 'कुलपतियों का सम्मेलन 2.0'

कानून की दिशा तय करें विधि विश्वविद्यालय: CJI सूर्यकांत

बेधड़क | जोधपुर

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों से आह्वान किया कि वे तकनीकी बदलावों पर केवल प्रतिक्रिया देने के बजाय कानूनी व्यवस्था को नई तकनीक के अनुरूप ढालने की दिशा तय करने में नेतृत्व करें। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल न्याय, निष्पक्षता और मानवीय विवेक को केंद्र में रखकर होना चाहिए। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर में 'कुलपतियों के सम्मेलन 2.0' को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि विधि पेशा अब प्रौद्योगिकी को देर से अपनाने वाला क्षेत्र नहीं रह सकता। उन्होंने विधि शिक्षा में जेनरेटिव एआई के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध की धारणा को खारिज किया। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक ईमानदारी और एआई का जिम्मेदार इस्तेमाल पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। कक्षाओं में एआई का पारदर्शी और निगरानी में इस्तेमाल छात्रों को इसकी क्षमताओं और सीमाओं को समझने में मदद करेगा।

एआई से दूरी नहीं, जिम्मेदार इस्तेमाल जरूरी

तकनीक के नतीजे पर निर्भर न रहें

सूर्यकांत ने कहा कि आने वाले समय में विधि स्नातक ऐसे उपकरणों के साथ काम करेंगे, जो कुछ ही सेकंड में हजारों न्यायिक नजीरों का विश्लेषण, कानूनी जोखिमों की पहचान और विवाद समाधान में सहायता कर सकेंगे। हालांकि, केवल तकनीकी उपकरणों से मिले परिणामों को स्वीकार करना पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने कहा कि छात्रों को धारणाओं पर सवाल उठाने, निष्कर्षों की पुष्टि करने और स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए प्रशिक्षित करना जरूरी है।

नया प्रोटोकॉल लागू

अब सरकारी स्कूलों में बिना अनुमति एंट्री नहीं

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा, गरिमा और निजता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने नया सुरक्षा सर्कुलर जारी किया है। इसके तहत अब प्रधानाचार्य की पूर्व अनुमति के बिना किसी बाहरी व्यक्ति को स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। सभी आगंतुकों के लिए विजिटर रजिस्टर में प्रविष्टि अनिवार्य होगी।

सर्कुलर के अनुसार बिना अनुमति बाहरी व्यक्ति कक्षा-कक्ष, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रावास, खेल मैदान या विद्यार्थियों की गतिविधियों वाले क्षेत्रों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। छात्रों की फोटो, वीडियो, साक्षात्कार, ऑडियो रिकॉर्डिंग और लाइव स्ट्रीमिंग के लिए भी प्रधानाचार्य की पूर्व लिखित अनुमति जरूरी होगी। विद्यार्थियों की व्यक्तिगत जानकारी, फोटो या वीडियो का ऐसा संग्रह अथवा प्रसारण भी प्रतिबंधित रहेगा, जिससे उनकी निजता या सुरक्षा प्रभावित हो। बिना अनुमति प्रवेश करने, परिसर से बाहर जाने से इनकार करने, अनाधिकृत फोटो-वीडियोग्राफी या स्कूल के काम में बाधा डालने वालों की सूचना तत्काल पुलिस और जिला शिक्षा अधिकारी को देने के निर्देश हैं। जरूरत पड़ने पर भारतीय न्याय संहिता, पॉक्सो, किशोर न्याय और आईटी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा सकेगी। निदेशालय ने जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों और संस्था प्रधानों को सुरक्षा प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

फर्स्ट इंडिया न्यूज के 'अलवर-खैरथल-तिजारा गौरव सम्मान सीजन-3' का आयोजन

अमित शाह अलवर के डेयरी सेक्टर को नई गति देंगे: भूपेंद्र यादव

1st इंडिया NEWS

बेधड़क | अलवर

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर फर्स्ट इंडिया न्यूज की ओर से द फर्न होटल, अलवर में 'अलवर-खैरथल-तिजारा गौरव सम्मान सीजन-3' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। तिजारा विधायक महंत बालक नाथ योगी और रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके साथ अलवर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। सम्मानित अतिथियों में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और प्रसिद्ध भपंग वादक गफरुद्दीन मेवाती जोगी, भाजपा के अलवर जिलाध्यक्ष महा सिंह चौधरी और कोटकासिम प्रधान डॉ. विनोद कुमारी सांगवान शामिल रहे। विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा और वरिष्ठ संपादक जिनेंद्र सिंह शेखावत ने सभी अतिथियों का फलदार पौधे देकर स्वागत किया।

फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ और प्रबंध संपादक पवन अरोड़ा अलवर के द फर्न होटल में फर्स्ट इंडिया न्यूज के 'अलवर खैरथल-तिजारा गौरव सम्मान सीजन-3 ' को संबोधित करते हुए। मंचस्थ (बाएं से दाएं) एसोसिएट एडिटर श्वेता मिश्रा अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष महा सिंह चौधरी, सीनियर एडिटर जिनेंद्र सिंह शेखावत, विधायक रामगढ़ सुखवंत सिंह, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, तिजारा विधायक महंत बालक नाथ योगी, अलवर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर और प्रसिद्ध भपंग वादक पद्मश्री पुरस्कार विजेता गफरुद्दीन मेवाती जोगी।

सतत विकास से अलवर बन सकता है मजबूत आर्थिक और पर्यटन केंद्र: पवन अरोड़ा

> अलवर में विकास की क्षमता है। इसका भविष्य निश्चित रूप से बहुत उज्ज्वल है। अलवर तेजी से बदलाव का अनुभव कर रहा है और संगठित एवं सतत विकास के साथ इसमें बड़ी छलांग लगाने की क्षमता है।
>
> **- पवन अरोड़ा,** सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर, फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप

> डेयरी और सहकारिता, महिला स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण स्कूलों में ई-लाइब्रेरी और खेलों के क्षेत्र में अवसरों का विस्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि अलवर के युवाओं और ग्रामीण समुदायों के लिए व्यापक अवसर पैदा किए जा सकें।
>
> **- भूपेंद्र यादव,** केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर की प्रतिभाओं को लगातार सम्मानित करने और प्रतिभा व सेवा को मंच प्रदान करने के लिए फर्स्ट इंडिया न्यूज की सराहना की। उन्होंने डॉ. जगदीश चंद्र के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, 'डॉ. चंद्र के नेतृत्व में इस तरह की पहल समाज को प्रेरित करती हैं और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए आवश्यक सामूहिक भावना को मजबूत करती हैं।' अलवर को ज्ञान, विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य की भूमि बताते हुए यादव ने ग्रामीण विकास, खाद्य प्रसंस्करण और सहकारिता क्षेत्र पर केंद्र के फोकस को रेखांकित किया। उन्होंने 16 अगस्त को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से 200 करोड़ के अलवर डेयरी प्लांट की आधारशिला रखे जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस पहल से रोजगार के अवसर पैदा होने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की उम्मीद है। यादव ने बाघों के अलावा अलवर के बढ़ते पर्यटन आकर्षण का भी उल्लेख किया, जिसमें बर्डवॉचिंग, खगोल विज्ञान और इको-टूरिज्म शामिल हैं।

फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा ने कहा कि फर्स्ट इंडिया न्यूज डॉ. जगदीश चंद्र के 'खबर ही जीवन है' के विजन को आगे बढ़ा रहा है, जहां पत्रकारिता जनसेवा और सार्थक बदलाव से प्रेरित है। अलवर के विकास पर पवन अरोड़ा ने कहा कि शहर के पास मजबूत आर्थिक और पर्यटन केंद्र के रूप में उभरने के आवश्यक सभी संसाधन मौजूद हैं।

छोटी काशी में सावन के तीसरे वन सोमवार पर आज भी होंगे अनेक आयोजन

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा गलता तीर्थ

बेधड़क | जयपुर

श्रावण मास के तीसरे वन सोमवार को छोटी काशी शिव भक्ति में डूबी नजर आएगी। शहर के प्रमुख शिवालयों में तड़के 4 बजे से दर्शन शुरू होंगे। ताड़केश्वर महादेव, झाड़खंड महादेव सहित अनेक मंदिरों में जलाभिषेक, विशेष पूजा और आरती की विशेष तैयारियां की गई हैं। श्रद्धालु बेल पत्र, धतूरा, दूध और गंगाजल से भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे। हर-हर महादेव के जयघोष से शहर गूंजेगा। छुट्टी का दिन होने के कारण रविवार को गलता तीर्थ से सैकड़ों कावड़ यात्री कावड़ लेकर शिवालय पहुंचे।

शहर में रविवार को निकली कावड़ यात्रा में प्रस्तुति देते कलाकार।

कावड़ ले जाते श्रद्धालु।

फोटो: पंकज शर्मा

हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर बरसाए फूल

गलता तीर्थ धाम में रविवार को श्रद्धा और भक्ति का अनूठा नजारा देखने को मिला। साहस फाउंडेशन के अध्यक्ष सुनील चौधरी की ओर से गलता धाम में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराई गई। हेलीकॉप्टर ने चार चक्कर लगाकर श्रद्धालुओं और कांवड़ियों पर आसमान से फूल बरसाए। पुष्प वर्षा शुरू होते ही पूरा गलता धाम जयकारों से गूंज उठा। आसमान से बरसते फूलों को देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह और उल्लास छा गया। बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने इस मनमोहक दृश्य को मोबाइल कैमरों में कैद किया। साहस फाउंडेशन के अध्यक्ष सुनील चौधरी ने कहा कि गलता धाम धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और राजस्थान की गौरवशाली विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। पुष्प वर्षा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रही और आयोजन यादगार बन गया।

डबल शंकर की कावड़-कलश यात्रा में दिखी देश भक्ति की झलक

छोटी काशी जयपुर रविवार को शिव भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। डबल शंकर महादेव विकास समिति की ओर से कावड़ एवं कलश यात्रा निकाली गई। पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल की अगुवाई में 1100 महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण किए। वहीं, कावड़ियों ने गलता तीर्थ और हरिद्वार से लाए गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया। गलता तीर्थ से सुबह रवाना हुई कावड़ यात्रा परकोटा क्षेत्र में पहुंची तो जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर स्वागत किया। समिति के संयोजक शरद खंडेलवाल की अगुवाई में कावड़िए भगवान शिव के जयकारों के साथ झूमते नजर आए। यात्रा में ऊंट, घोड़े, ढोल-ताशे और विभिन्न धार्मिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। चौड़ा रास्ता स्थित द्वारकाधीश मंदिर के बाहर जयपुर सांसद मंजू शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, भाजपा प्रत्याशी रवि नैयर, चंद्रमनोहर बटवाड़ा, खाद्य व्यापार महासंघ के अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता, कर्मचारी नेता संतोष विजय और ब्रह्मकुमारी रिमझिम दीदी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। करीब चार घंटे बाद यात्रा बाबा हरिश्चंद्र मार्ग स्थित डबल शंकर महादेव मंदिर पहुंची। यहां कावड़ियों और महिलाओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। भक्तों ने केसरिया और तिरंगे ध्वज लहराए। शाम को मंदिर में झांकी सजाई गई।

आज का पंचांग

◆**शुभ वि. सं.**: 2083 ◆**हिजरी सन**: 1448 ◆**ऋतु**: वर्षा ऋतु
◆**संवत्सर का नाम**: रौद्र ◆**मास**: श्रावण ◆**पक्ष**: शुक्ल पक्ष
◆**शाके संवत**: 1948 ◆**अयन**: सूर्य दक्षिणायन

आज का दिन

सोमवार, 17 अगस्त, 2026
सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

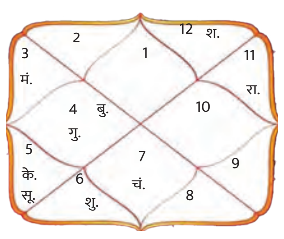

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज अमृत का चौधड़िया सुबह 6.03 से 7.40 बजे तक है। इसके बाद में शुभ का चौधड़िया सुबह 9.17 से 10.54 बजे तक, फिर चर का दोपहर 2.08 से 3.45 बजे तक, लाभ-अमृत का दोपहर 3.45 से 6.59 बजे तक है। इनमें शुभ कार्य कर सकते हैं।
अभिजीत: आज 11.58 से 12.51 बजे तक है।
तिथि: आज पंचमी शाम 5.00 बजे तक रहेगी। इसके बाद में षष्ठी तिथि रहेगी।
दिशाशूल: पूर्व दिशा में रहेगा।
चंद्रमा: आज कन्या राशि में शाम 4.19 बजे तक, फिर तुला राशि में रहेगा।
राहु काल: आज सुबह 7.30 से 9.00 बजे तक रहेगा।
नक्षत्र: चित्रा नक्षत्र रात 4.59 बजे तक, फिर स्वाती नक्षत्र रहेगा।
योग: शुभ योग रात 3.29 बजे तक, फिर शुक्ल योग रहेगा।

शुभाशुभ ज्ञान

भाद्रपद संक्रांति, सूर्य का मघा सिंह में प्रवेश सुबह 7.58 बजे, तृतीय श्रावण वन सोमवार, नाग पंचमी देशाचार से, गोगिड़ो पर्व सिंधी समाज, मनसा पूजा समाप्त बंगाल में, रवि योग सुबह 7.58 बजे तक। **-पं. अवधेश शर्मा**

शहर में आज

- जय अम्बे नगर स्थित बाबा सिद्धेश्वर महादेव मां अंबालिका मंदिर में ज्योर्तिलिंग श्रृंगार दर्शन शाम 7.15 बजे।
- शहर के झूलेलाल मंदिरों में गोगिड़ो पर्व पर पूजा-अर्चना सुबह 7 बजे।
- गोविंद देवजी मंदिर में हिंडोलोत्सव का आयोजन शाम 5.30 बजे।

विशुद्ध प्रेम ही ईश्वर का दूसरा रूप

जयपुर। रामाश्रम सत्संग मथुरा उप केंद्र जयपुर की ओर से श्रावण मास में सामूहिक मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें संत अमित कुमार ने कहा कि आपसी मिलन और प्रेम से संबंध मजबूत होते हैं। विशुद्ध प्रेम ही ईश्वर का दूसरा रूप है। संत मोहित कुमार ने कहा कि गुरु महाराज ने ईश्वर प्राप्ति के लिए सरल और सहज पद्धति दी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जिस प्रकार बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जाती है और मां अपने शिशु को खेल-खेल में भोजन कराती है, उसी प्रकार सद्गुरु भी अपने शिष्यों को सहज रूप से आध्यात्मिक ज्ञान और साधना की खुराक देते रहते हैं।

हरियाली तीज जयपुर में मनाई धूमधाम से

चांदी की पालकी में सवार होकर निकली बूढ़ी तीज माता की सवारी

सिटी पैलेस से निकली बूढ़ी तीज की सवारी छोटी चौपड़ से जाते हुए।

बेधड़क | जयपुर

श्रावण शुक्ल तृतीया का लोक पर्व हरियाली तीज जयपुर में धूमधाम से मनाया गया। सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से रविवार को बूढ़ी तीज माता की शाही सवारी निकली। रजवाड़ी गहनों से सजी बूढ़ी तीज माता 400 किलो वजनी चांदी की पालकी में विराजमान थीं। शाही सवारी के बाहर आते ही लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इससे पूर्व शनिवार को तीज माता की शाही सवारी निकली।

इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने तीज माता के दर्शन किए। इससे पहले जनानी ड्योढ़ी में पूर्व राजपरिवार की गौरवी कुमारी सहित महिलाओं ने तीज माता का पूजन किया। त्रिपोलिया गेट पर सवाई पद्मनाभ ने तीज माता की आरती उतारी। सवारी त्रिपोलिया गेट से छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार और चौगान स्टेडियम होते हुए ताल कटोरा पहुंची। छोटी चौपड़ पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सवारी पर पुष्पवर्षा की। इस अवसर पर तीज माता की सवारी देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।

जनानी ड्योढ़ी में तीज माता की पूजा करतीं पूर्व राजपरिवार की गौरवी कुमारी सहित अन्य महिलाएं।

लोक कलाकारों ने दीं प्रस्तुतियां

राजस्थान पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सवारी में 150 से अधिक लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी, गैर, कालबेलिया, अलगोजा, बहरूपिया और चकरी जैसी पारंपरिक प्रस्तुतियां दीं। शहर में 14 एलईडी स्क्रीन पर भी सवारी का सीधा प्रसारण किया गया। सवारी में तोपगाड़ी, शाही पालकी, रथ, पुलिस बैंड और आरएसी बैंड भी शामिल रहे। इस दौरान तीज माता पर ड्रोन से पुष्पवर्षा की गई।

मधुश्रावणी में ममता झा बनीं 'क्वीन'

बेधड़क | जयपुर

मिथिला की नवविवाहिताओं का धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व मधुश्रावणी का आयोजन जयपुर में पारंपरिक उत्साह के साथ किया गया। मैथिली महिला मंच, राजस्थान की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य मिथिला की लोक संस्कृति, परंपराओं और रीति-रिवाजों को जीवंत बनाए रखना तथा नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना रहा। इस वर्ष मधुश्रावणी व्रत 3 से 15 अगस्त तक मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक पूजा-पद्धति, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मिथिला की समृद्ध विरासत की झलक दिखाई। मधुश्रावणी क्वीन, ओपन माइक, नृत्य और गायन जैसी प्रतियोगिताएं भी हुईं। मधुश्रावणी क्वीन में ममता झा प्रथम, संगीता चौधरी द्वितीय और अंकिता मिश्रा तृतीय रहीं। बेस्ट स्माइल का पुरस्कार रानी झा और बेस्ट आइज का पुरस्कार मणिका मिश्रा को मिला। डाला सजावट में सुधीरा झा प्रथम रहीं। मंच की अध्यक्ष बबीता झा ने कहा कि मधुश्रावणी मिथिला की परंपरा, लोकगीत, संस्कार और नारी संस्कृति की महत्वपूर्ण विरासत है।

दिल्ली में 23 अगस्त को जुटेगा राजपूत समाज

बेधड़क | जयपुर

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष उजागर सिंह डाबला ने UGC व आरक्षण नीति को लेकर 23 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। डाबला ने जयपुर मे रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि देश के 22 राज्यों से समाज के लोग प्रदर्शन में शामिल होंगे। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की ओर से तैयार की गई 22 राज्यों की सेना दिल्ली कूच करेगी और सभी प्रदेश अध्यक्षों को अपनी ताकत के साथ रैली में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। डाबला ने कहा कि आंदोलन की प्रमुख मांग केंद्र सरकार से UGC व आरक्षण नीति को पूरी तरह वापस लेने की है। उन्होंने राजस्थान सरकार से आगामी पंचायती राज चुनाव में EWS वर्ग के लिए आरक्षित सीटें देने की भी मांग की।

स्वतंत्रता दिवस पर ठाकुरजी ने धारण की तिरंगे की पोशाक

आस्था संग राष्ट्र भक्ति का रंग, देवालयों में सजा तिरंगा

बेधड़क | जयपुर

स्वतंत्रता दिवस पर जयपुर में आस्था के साथ राष्ट्र भक्ति का रंग भी दिखाई दिया। शहर के प्रमुख मंदिरों में भगवान को तिरंगे रंग की पोशाक धारण कराकर विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसरों को तिरंगे रंगों से सजाया गया। गोविंद देवजी, नहर के गणेशजी, सिद्धेश्वर महादेव, मां अम्बालिका मंदिर, खोले के हनुमानजी, लक्ष्मी जगदीश मंदिर गोनेर, चांदपोल हनुमान मंदिर और सीतारामजी मंदिर सहित कई देवालयों में तिरंगा झांकी सजाई गई। गोविंद देवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने ठाकुरजी का अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराई और हिंडोले में विराजमान कराया।

@गोविंददेवजी मंदिर

@लक्ष्मी जगदीश मंदिर गोनेर

आदित्य सागर ने दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

जनकपुरी के ज्योति नगर जैन मंदिर में आचार्य आदित्य सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में समारोह हुआ। एडवोकेट नवीन सेठी परिवार ने ध्वजारोहण किया। किरण जैन के मंगलाचरण और प्रमोद बड़जात्या के दीप प्रज्ज्वलन से धर्म सभा शुरू हुई। आचार्य ने अहिंसा, सत्य, अनुशासन और सद्भावना को राष्ट्र की शक्ति बताया। अनीता बिंदायका के नेतृत्व में महिला मंडल ने नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। राजेंद्र ठोलिया ने देशभक्ति गीत सुनाया। संयोजन राकेश जैन ने किया।

सी-स्कीम महिला मंडल ने किया ध्वजारोहण: तेरापंथ महिला मंडल सी-स्कीम ने महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल और नेशनल हैंडलूम, विद्याधर नगर में ध्वजारोहण किया। कनक आंचलिया, राजश्री बाफना और प्रीति पारेख ने ध्वजारोहण किया। महिला मंडल, कन्या मंडल और ज्ञानशाला के बच्चों ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी और देश भक्ति के नारे लगाए।

गायत्री नगर में भक्तामर पाठ का नवां वर्ष शुरू

बेधड़क | जयपुर

महारानी फार्म स्थित दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर में 48 दिवसीय भक्तामर पाठ के नवें वर्ष का शुभारंभ हुआ।

राष्ट्रीय दिवस पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह सहित पदाधिकारियों और सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित कर पाठ का शुभारंभ किया। आयोजन मुनि विलोक सागर महाराज, अर्हमश्री माताजी ससंघ और विष्णु प्रभा माताजी ससंघ के मंगल आशीर्वाद से शुरू हुआ। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि भक्तामर पाठ 2 अक्टूबर तक ऋद्धि-सिद्धि मंत्रों, दीप अर्चना और भक्ति भाव के साथ चलेगा। संयोजिका अनिता बड़जात्या, डॉ. अनीता जैन, विमला जैन और ज्योति जैन ने संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

जरूरी खबर

भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा, डमी बैठाने वाला अरेस्ट

बेधड़क, जयपुर। सोडाला थाना पुलिस ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठाने के मामले में फरार चल रहे 5 हजार के इनामी आरोपी सोनू यादव (33) निवासी शिवदानसिंहपुरा, नीमराणा को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने वर्ष 2020 में आयोजित कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में अपनी जगह सगे छोटे भाई मनोज यादव से परीक्षा दिलवाई थी। डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि पुलिस कांस्टेबल भर्ती की लिखित परीक्षा 7 नवंबर 2020 को सोडाला के चौधरी पब्लिक सीनियर सेकंडरी स्कूल में आयोजित हुई थी। जीआरपी अजमेर के लिए आवंटित रोल नंबर पर अभ्यर्थी सोनू यादव की जगह उसका भाई मनोज कुमार यादव परीक्षा में शामिल हुआ था।

कम्प्यूटर अनुदेशक भर्ती परीक्षा 22 अगस्त से

बेधड़क, जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से बेसिक और वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक भर्ती परीक्षा 22 और 23 अगस्त को आयोजित की जाएगी। दोनों परीक्षाओं के लिए करीब 1.44 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षा दो पारियों में होगी और अभ्यर्थी 19 अगस्त से ई-प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 22 अगस्त और वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक परीक्षा 23 अगस्त को होगी। बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक के लिए करीब 1.23 लाख और वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक के लिए करीब 21 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। दोनों परीक्षाओं में दो-दो प्रश्नपत्र होंगे। परीक्षा सुबह 10 से 12 बजे और दोपहर 3 से 5 बजे तक दो पारियों में होगी।

सड़क किनारे मिला तीन दिन का नवजात

बेधड़क, जयपुर। तूंगा थाना क्षेत्र में सड़क किनारे दुपट्टे में लिपटा नवजात बच्चा मिलने से हड़कंप मच गया। भटेरी बैरवा की ढाणी में रहने वाला सुनील बैरवा करीब 3 बजे घर जा रहा था। इसी दौरान उसे सड़क किनारे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंचने पर नवजात दुपट्टे में बंधा हुआ मिला। सूचना पर तूंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे को जेके लोन अस्पताल पहुंचाया। एसआई मोहन लाल ने बताया कि शुरुआती जांच में बच्चा पूरी तरह स्वस्थ मिला है। पुलिस के अनुसार नवजात का जन्म करीब तीन दिन पहले हुआ था।

जयपुर में हर्षोल्लास से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस, जगह-जगह किया ध्वजारोहण

आजादी के रंग में रंगा गुलाबी शहर

- जिला स्तरीय समारोह में मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने किया ध्वजारोहण
- उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को किया गया सम्मानित
- सचिवालय, जेडीए, PHQ समेत सरकारी कार्यालयों में हुए कार्यक्रम

बेधड़क | जयपुर

जयपुर शहर में 80वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास से मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह चौगान स्टेडियम में हुआ। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इससे पहले उन्होंने अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। राठौड़ ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और सेना-पुलिस के जवानों के बलिदान को हमेशा स्मरण रखना चाहिए। सक्षम भारत, समृद्ध भारत और विकसित भारत के निर्माण के लिए सभी को संकल्पित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास से 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार होगा। जिला स्तरीय समारोह में 37 उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। समारोह में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने वंदे मातरम् थीम पर सामूहिक लोक नृत्य और देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए। 36 विदेशी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। शासन सचिवालय में मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रहित में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी से कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सचिवालय कार्मिकों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। उधर, संभागीय आयुक्त कार्यालय पर संभागीय आयुक्त वी. सरवन कुमार ने व कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर संदेश नायक ने ध्वजारोहण किया।

जिला स्तरीय समारोह में सलामी लेते मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़।

ध्वजारोहण, जनहित में कार्य का आह्वान

जेडीए कार्यालय में जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से जयपुर के सुनियोजित विकास एवं जनहित के कार्यों के लिए समर्पित भाव से काम करने का आह्वान किया।

डीएलबी मुख्यालय में स्वच्छता की शपथ

डीएलबी मुख्यालय में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान कार्मिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

बड़ी चौपड़ पर बीजेपी-कांग्रेस ने निभाई 73 साल पुरानी परंपरा

जयपुर की ऐतिहासिक बड़ी चौपड़ पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर करीब 73 साल पुरानी परंपरा निभाई गई। सत्तारूढ़ बीजेपी की ओर से प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने ध्वजारोहण किया, वहीं कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

उद्योग भवन में 11 कार्मिक सम्मानित

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग मुख्यालय उद्योग भवन में एसीएस शिखर अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 कार्मिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश ओला और उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

आईटी भवन में किया ध्वजारोहण

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के आईटी भवन मुख्यालय में संयुक्त सचिव आर. एल. सोलंकी ने ध्वजारोहण किया। सूचना प्रौद्योगिकी विकास एवं ई-गवर्नेंस भवन तथा भामाशाह स्टेट डेटा सेंटर के साथ प्रदेश के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित हुए।

62 चिकित्सक-कार्मिक सम्मानित

स्वास्थ्य भवन में निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने ध्वजारोहण किया। विभाग में उत्कृष्ट कार्य एवं सेवाओं के लिए 18 चिकित्सकों और 44 कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

पुलिस और एसीबी मुख्यालय में सम्मान

पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने ध्वजारोहण किया। पुलिस मुख्यालय में डीजी कानून एवं व्यवस्था संजय अग्रवाल ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्थान पुलिस के 15 मंत्रालयिक अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं एसीबी मुख्यालय में डीजी गोविंद गुप्ता ने ध्वजारोहण किया।

हाई कोर्ट और संस्थानों में भी किया ध्वजारोहण

राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने ध्वजारोहण किया। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल में सदस्य सचिव कपिल चन्द्रवाल ने ध्वजारोहण कर स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त राजस्थान के निर्माण का आह्वान किया। राजफेड में प्रबंध निदेशक सौरभ स्वामी, अपेक्स बैंक में सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं प्रशासक डॉ. समित शर्मा, नेहरू सहकार भवन में भी डॉ. समित शर्मा ने ध्वजारोहण किया। जयपुर डिस्कॉम के पुराने पावर हाउस परिसर में चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने ध्वजारोहण कर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। राजस्थान आवासन मंडल मुख्यालय में आवासन आयुक्त अरविंद पोसवाल ने ध्वजारोहण किया। सूचना केंद्र में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा ने झंडारोहण किया। विभिन्न सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह आयोजित किए गए।

पशुपालन विभाग में भी आयोजन

पंत कृषि भवन में कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने ध्वजारोहण किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। पशुपालन विभाग में निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीणा ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता सेनानियों और जवानों के बलिदान को नमन किया।

कोटा के नोनेरा ऐबरा बांध के पांच गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू

19 से फिर रफ्तार पकड़ेगा मानसून

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी हो गई है। हालांकि पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं बारिश का दौर बना हुआ है। रविवार को कोटा जिले के इटावा क्षेत्र में नोनेरा ऐबरा बांध के पांच गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई।

बांध के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार पानी आने के कारण करीब 45 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वही धौलपुर के सैपऊ में तेज बारिश से मौसम सुहावना हो गया। भरतपुर के बंध बारेठा बांध से भी शनिवार रात से पानी की निकासी जारी है। धौलपुर में दमोह झरने और बरसाती नाले में तेज बहाव के कारण 100 से अधिक पर्यटक और ग्रामीण फंस गए, जिन्हें देर रात तक रेस्क्यू किया गया। भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, करौली और कोटा में शनिवार को कई जगह करीब एक इंच तक बारिश दर्ज हुई। टोंक, बूंदी, अलवर और चित्तौड़गढ़ में भी हल्की बारिश हुई। दौसा के मंडावर में 40 एमएम और महवा में 20 एमएम वर्षा दर्ज, रास्ते जलमग्न हुए। जयपुर में दिनभर मौसम सामान्य रहा और हल्के बादलों के बीच उमस बनी रही। शाम को शहर और आसपास के इलाकों में बूंदाबांदी हुई।

विराटनगर में 4 मिमी बारिश दर्ज की गई। राजस्थान में 16 अगस्त को सबसे अधिक बारिश नदबई (भरतपुर) में 110 मिमी दर्ज की गई। इसके बाद बयाना (भरतपुर) में 98 मिमी, चेचट (कोटा) में 74 मिमी, टहला (अलवर) में 71 मिमी, हलेना (भरतपुर) में 68 मिमी, पचपहाड़ (झालावाड़) में 62 मिमी और मंडावर (दौसा) में 57 मिमी बारिश दर्ज हुई। आगरा रोड पर स्थित प्रसिद्ध कानोता बांध भी ओवरफ्लो हो गया और वहां पानी की चादर चलने लगी।

बारिश कम होने के साथ पश्चिमी राजस्थान में गर्मी और उमस बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार 17 और 18 अगस्त को अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहेगा। 19 अगस्त से पूर्वी राजस्थान में फिर बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। मानसून ट्रफ वर्तमान में उत्तर भारत से होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर बनी हुई है।

नोनेरा ऐबरा बांध के गेट खोलने के बाद निकलती जलधारा।

भरतपुर के बंध बारेठा बांध से निकलता पानी।

जेडीए में प्रशासनिक फेरबदल

10 तहसीलदारों को मिली प्रवर्तन की जिम्मेदारी

बेधड़क | जयपुर

जेडीए में अधिकारियों की कमी के बीच प्रशासनिक और प्रवर्तन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर जिम्मेदारियों में फेरबदल किया गया है। प्रवर्तन शाखा में बढ़ती शिकायतों और लंबित मामलों को देखते हुए 10 तहसीलदारों को अतिरिक्त रूप से प्रवर्तन अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, पांच उपायुक्तों के कार्यक्षेत्र में बदलाव कर उन्हें भी अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जेडीए प्रशासन ने उपलब्ध अधिकारियों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां डालकर कामकाज और शिकायतों के निस्तारण में तेजी लाने की कवायद शुरू की है। जोन संख्या 15 से 25 तक तैनात तहसीलदार अब अपने मूल पद के साथ संबंधित जोन के प्रवर्तन अधिकारी का काम भी संभालेंगे। जेडीए में संभवतः यह पहला मौका है, जब एक साथ 10 तहसीलदारों को प्रवर्तन अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। जेडीए में कुल 23 जोन हैं, जबकि प्रवर्तन कार्य के लिए पुलिस सेवा के केवल छह और जेडीए सेवा के पांच अधिकारी उपलब्ध हैं।

पांच उपायुक्तों को अतिरिक्त जिम्मेदारी

जेडीए ने श्याम सुंदर विश्नोई को भूमि, भूमि अवाप्ति और कोर्ट केस, हेमंत कुमार को जोन-सी के साथ जोन-16 और रविंद्र कुमार शर्मा को जोन-ए के साथ जोन-17 की जिम्मेदारी दी है। राधिका देवी को संपर्क पोर्टल, राज उन्नति, सुओ ऑटो 90ए, बजट घोषणाओं के साथ जोन-23 और 24 तथा राजेंद्र सिंह शेखावत को उपायुक्त वाहन की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एक हथियार बेचकर कमाते थे 10-15 हजार का मुनाफा, दो को दबोचा

दिहाड़ी मजदूरी की आड़ में बने 'हथियारों के सौदागर'

बेधड़क | जयपुर

खोराबीसल थाना पुलिस ने हथियार तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों मध्य प्रदेश से अवैध हथियार लाकर जयपुर में सप्लाई करते थे। पुलिस से बचने के लिए आरोपी दिहाड़ी मजदूर बनकर किराए के मकान में रहते थे। पुलिस ने उनके कब्जे से दो पिस्टल, तीन मैग्जीन और पांच कारतूस बरामद किए हैं।

डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धर्मेंद्र उर्फ कुलविंदर उर्फ कुलदीप उर्फ अजय गुर्जर (24) और सोमित्रा लोधी (26) निवासी भिंड-मुरैना, मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। दोनों जयपुर के खोराबीसल इलाके में मां दुर्गा विहार-5 में किराए पर रह रहे थे। डीएसटी वेस्ट के हेड कांस्टेबल भरत सिंह को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी मध्य प्रदेश से अवैध हथियारों की खेप लेकर जयपुर आए हैं और खोराबीसल क्षेत्र में हथियार बेचने की तैयारी में हैं। सूचना के आधार पर डीएसटी प्रभारी गणेश सैनी के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। इसके बाद आरोपियों को बरामद हथियारों समेत खोराबीसल थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया।

तीन साल से कर रहे थे हथियारों की सप्लाई

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी करीब तीन साल से जयपुर में किराए पर रह रहे थे और हथियारों की सप्लाई का काम कर रहे थे। पहचान छिपाने और पुलिस के शक से बचने के लिए वे दिहाड़ी मजदूरी करते थे। पुलिस के अनुसार, डिमांड मिलने पर धर्मेंद्र के कहने पर सोमित्रा मध्य प्रदेश जाता था और वहां से अवैध हथियार लेकर जयपुर आता था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मध्य प्रदेश से खरीदे गए अवैध हथियारों को जयपुर में बेचकर प्रति हथियार करीब 10 से 15 हजार रुपए का मुनाफा कमाते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने जयपुर में बड़ी संख्या में हथियार लाकर बेचने की बात स्वीकार की है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है और उनसे अन्य हथियार बरामद होने की संभावना है।

तीन नकाबपोश बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

ATM काट 1.95 लाख ले उड़े बदमाश

बेधड़क | जयपुर

वैशाली नगर थाना इलाके में तीन नकाबपोश बदमाशों ने गैस कटर से एटीएम काटकर उसमें रखा करीब 1.95 लाख रुपए का कैश बॉक्स निकाल लिया और फरार हो गए। वारदात महाराणा प्रताप पथ नंबर-8, खातीपुरा रोड स्थित लाल मंदिर रोड के पास बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में हुई।

पुलिस के अनुसार बदमाश शनिवार तड़के करीब 3.30 बजे सुनसान इलाके में स्थित एटीएम बूथ में घुसे। उन्होंने गैस कटर से एटीएम को काटा और कुछ ही मिनटों में कैश ट्रे-बॉक्स निकाल लिया। वारदात के दौरान तीनों बदमाशों ने चेहरे ढके हुए थे। घटना के बाद वे कैश बॉक्स लेकर मौके से फरार हो गए। वारदात का पता सुबह करीब 7.40 बजे चला। एटीएम के पास दुकान मालिक ने मशीन को क्षतिग्रस्त देखा और बैंक के फील्ड ऑफिसर पवित्र लाल को सूचना दी। पवित्र लाल ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को रिपोर्ट दी। बैंक रिकॉर्ड की जांच में एटीएम में करीब 1.95 लाख रुपए की नकदी होने की जानकारी सामने आई। सूचना पर वैशाली नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

एफएसएल और डॉग स्क्वॉड की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने एटीएम बूथ और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। फुटेज के आधार पर बदमाशों के हुलिए, भागने के रास्ते और इस्तेमाल किए गए वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

कभी राजघरानों की छत्रछाया थी सहारा, फिर रेलवे-बैंकों ने दिया रोजगार

महाराजाओं से मिडिल क्लास तक किस तरह बदला भारतीय क्रिकेट

सिद्धार्थ महान
खेल समीक्षक

आईपीएल ने खिलाड़ी को सिर्फ कर्मचारी से आगे बढ़ाकर एक व्यावसायिक संपत्ति बना दिया। एक सफल घरेलू खिलाड़ी के लिए राष्ट्रीय टीम तक पहुंचने के अलावा कमाई के नए रास्ते खुल गए। आज के करोड़ों रुपए वाले क्रिकेट के पीछे उस दौर को भूलना आसान है, जब एक रणजी खिलाड़ी के लिए खेल और नौकरी साथ-साथ चलाना ही सबसे सुरक्षित रास्ता था। महाराजाओं के संरक्षण से शुरू हुई भारतीय क्रिकेट की यात्रा संस्थानों की नौकरी से होते हुए कॉरपोरेट और आईपीएल की अर्थव्यवस्था तक पहुंची है। यह सिर्फ क्रिकेट के बदलने की कहानी नहीं है। यह आजाद भारत की बदलती अर्थव्यवस्था और बदलते मध्यवर्ग की भी कहानी है। आजादी ने भारतीय क्रिकेट को सिर्फ एक नया देश नहीं दिया। उसने धीरे-धीरे एक नया क्रिकेटर भी तैयार किया।

भारत की आजादी के 79 साल बाद किसी युवा क्रिकेटर के सामने कॅरिअर के कई रास्ते हैं। घरेलू क्रिकेट खेलिए, आईपीएल में जगह बनाइए, केंद्रीय अनुबंध हासिल कीजिए, दुनिया भर की लीग में उतरिए या विज्ञापन की दुनिया में पहचान बनाइए। क्रिकेट आज एक पूरा पेशा और उद्योग है। लेकिन कुछ दशक पहले क्रिकेट को कॅरिअर बनाना इतना आसान नहीं था। प्रतिभा और मेहनत के साथ आर्थिक सहारे की भी जरूरत थी। आजादी से पहले यह सहारा अक्सर किसी महाराजा, राजघराने या बड़े संरक्षक से मिलता था। आजादी के बाद धीरे-धीरे रेलवे, बैंक, सेना, सरकारी विभाग, विश्वविद्यालय और दूसरी संस्थाएं इस भूमिका में आईं।

यहीं से भारतीय क्रिकेट में एक ऐसा रास्ता बना, जिसने मध्यवर्गीय परिवारों के खिलाड़ियों के लिए क्रिकेट को संभव बनाया। भारत में क्रिकेट का शुरुआती विकास ब्रिटिश संस्थानों के जरिए हुआ, लेकिन जैसे-जैसे यह खेल भारतीय समाज में लोकप्रिय हुआ, देशी रियासतों के राजाओं और महाराजाओं ने इसके संरक्षण में बड़ी भूमिका निभाई। क्रिकेट उनके लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं था। यह प्रतिष्ठा का प्रतीक और अंग्रेजों के साथ सामाजिक संपर्क का माध्यम भी था। रणजीत सिंह से लेकर पटियाला के महाराजा भूपिंदर सिंह तक कई राजघरानों ने भारतीय क्रिकेट को आर्थिक और संस्थागत समर्थन दिया। इंग्लैंड का दौरा करने वाली 1911 में पहली अखिल भारतीय टीम के गठन में भी पटियाला के महाराजा की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उस समय क्रिकेट का ढांचा आज जैसा नहीं था। खिलाड़ियों के लिए खेल से नियमित आय की कोई मजबूत व्यवस्था नहीं थी। किसी बड़े संरक्षक की छत्रछाया इसलिए महत्वपूर्ण थी, क्योंकि वही यात्रा, रहने, प्रशिक्षण और कई बार रोजगार तक का इंतजाम कर सकता था।

राजस्थान का क्रिकेट इतिहास इस व्यवस्था की अच्छी तस्वीर देता है। राजपूताना में क्रिकेट के शुरुआती विकास में मेयो कॉलेज और ब्रिटिश संस्थानों की भूमिका रही, लेकिन बाद में रियासतों का प्रभाव बढ़ा। 1931 में राजपूताना क्रिकेट संघ का गठन हुआ और 1936 में राजपूताना ने रणजी ट्रॉफी में अपना पहला मैच खेला। उस दौर की टीमों में राजघरानों से जुड़े खिलाड़ियों और संरक्षकों का प्रभाव साफ दिखाई देता था। फिर 15 अगस्त 1947 आया। आजादी के साथ देशी रियासतों की राजनीतिक और आर्थिक भूमिका बदलने लगी। इसका असर क्रिकेट पर भी पड़ा। महाराजाओं का संरक्षण पूरी तरह खत्म नहीं हुआ, लेकिन खेल को आगे बढ़ाने के लिए अब एक नए संस्थागत ढांचे की जरूरत थी। महाराजा की जगह धीरे-धीरे संस्थाएं आने लगीं। रेलवे, बैंक, सेना, पुलिस, विश्वविद्यालय, सरकारी विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां खिलाड़ियों को नौकरी देने लगीं। खिलाड़ी कर्मचारी भी था और क्रिकेटर भी। उसे नियमित वेतन और नौकरी की सुरक्षा मिलती थी, साथ ही रणजी ट्रॉफी खेलने का मौका।

यही मॉडल भारतीय क्रिकेट में मध्यवर्गीय खिलाड़ियों के लिए एक नया रास्ता बना रहा था। ऐसे खिलाड़ी, जो किसी राजघराने से नहीं आते थे और जिनके पास पारिवारिक संपत्ति नहीं थी, नौकरी करते हुए उच्च स्तर का क्रिकेट खेल सकते थे। आजादी के बाद राजघरानों की जगह धीरे-धीरे कॉरपोरेट और संस्थागत समर्थन बढ़ा। क्रिकेट अब सिर्फ किसी व्यक्तिगत संरक्षक की उदारता पर निर्भर नहीं था। इस पूरी कहानी में भारतीय रेलवे का नाम सबसे महत्वपूर्ण है। रेलवे ने दशकों तक खिलाड़ियों को रोजगार दिया और अपनी मजबूत घरेलू टीम भी तैयार की। रेलवे ने 2001-02 और 2004-05 में रणजी ट्रॉफी जीती। लेकिन रेलवे का महत्व सिर्फ इन खिताबों में नहीं था। उसने ऐसे खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलने का अवसर दिया, जिनके लिए क्रिकेट से होने वाली कमाई परिवार का भविष्य सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। राजस्थान की कहानी इस बदलाव को और करीब से समझने में मदद करती है। आजादी के बाद भी यहां राजघरानों का प्रभाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। महाराणा भगवत सिंह जैसे लोग राजस्थान क्रिकेट से जुड़े रहे। लेकिन इसी दौर में व्यापारिक और संस्थागत संरक्षण भी बढ़ने लगा। रूंगटा परिवार राजस्थान क्रिकेट में आया, जबकि देश के दूसरे हिस्सों में टाटा स्पोर्ट्स, सेंचुरी टेक्सटाइल्स और दूसरे कारोबारी समूह खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ रहे थे।

> “क्रिकेट अब सिर्फ किसी व्यक्तिगत संरक्षक की उदारता पर निर्भर नहीं था। इस पूरी कहानी में भारतीय रेलवे का नाम सबसे महत्वपूर्ण है। रेलवे ने दशकों तक खिलाड़ियों को रोजगार दिया और अपनी मजबूत घरेलू टीम भी तैयार की। रेलवे ने 2001-02 और 2004-05 में रणजी ट्रॉफी जीती। लेकिन रेलवे का महत्व सिर्फ इन खिताबों में नहीं था।”

जयपुर में बैंक अधिकारी जयेंद्र चंद्र शर्मा जैसे लोगों ने स्कूल, कॉलेज और क्लब क्रिकेट को मजबूत करने में भूमिका निभाई। यानी क्रिकेट धीरे-धीरे राजमहलों से निकलकर संस्थानों और शैक्षणिक परिसरों तक पहुंच रहा था। हालांकि यह बदलाव तुरंत बराबरी लेकर नहीं आया। राजस्थान की पुरानी क्रिकेट टीमों के विवरण बताते हैं कि आर्थिक और सामाजिक स्थिति के आधार पर खिलाड़ियों के अनुभव अलग थे। संपन्न या राजघरानों से जुड़े खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलती थीं, जबकि कम साधन वाले खिलाड़ी अनारक्षित डिब्बों में यात्रा करते थे और कई बार उनके यात्रा खर्च की भरपाई तक नहीं होती थी।

भारतीय क्रिकेट की लोकप्रियता 1970 और 1980 के दशकों में बढ़ी। 1983 की विश्व कप जीत ने इसे देश के सबसे बड़े खेलों में बदल दिया। लेकिन उस समय क्रिकेट की लोकप्रियता और क्रिकेटर की कमाई के बीच आज जैसी समानता नहीं थी। विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ियों को आज के मानकों से बेहद मामूली मैच फीस और भत्ते मिलते थे। विश्व कप जीतने के बाद खिलाड़ियों को बोनस देने के लिए भी बीसीसीआई के पास पर्याप्त धन नहीं था। लता मंगेशकर के कार्यक्रम से पैसा जुटाकर खिलाड़ियों को इनाम देने की व्यवस्था की गई थी। यानी भारत विश्व कप जीत चुका था, लेकिन क्रिकेट अभी अरबों रुपए का उद्योग नहीं बना था। इसीलिए उस दौर में कई बड़े क्रिकेटरों की नौकरी भी थी। बैंक, रेलवे और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां भारतीय क्रिकेट के लिए आर्थिक सुरक्षा का आधार थीं। खिलाड़ी देश के लिए खेलते थे और जरूरत पड़ने पर अपनी नौकरी पर लौट सकते थे। फिर 1990 का दशक आया। भारत की अर्थव्यवस्था बदली। आर्थिक उदारीकरण के बाद निजी क्षेत्र का विस्तार हुआ। सैटेलाइट टेलीविजन घर-घर पहुंचा। विज्ञापन बाजार तेजी से बढ़ा और क्रिकेट के दर्शक एक बड़े उपभोक्ता बाजार में बदलने लगे।

क्रिकेटर अब सिर्फ खिलाड़ी नहीं रहा। वह टेलीविजन स्टार और ब्रांड बन गया। कॉरपोरेट कंपनियां क्रिकेट में पैसा लगाने लगीं। प्रायोजन बढ़े। खिलाड़ियों की लोकप्रियता का आर्थिक मूल्य बनने लगा। मैच फीस में भी धीरे-धीरे बढ़ोतरी हुई। भारतीय क्रिकेट का आर्थिक मॉडल संस्थागत नौकरी से आगे बढ़कर बाजार की ओर जाने लगा। लेकिन असली बदलाव अभी बाकी था। आईपीएल की शुरुआत ने भारतीय क्रिकेट की पूरी अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे दी। अब क्रिकेटर को नौकरी की जरूरत नहीं थी, ताकि वह क्रिकेट खेल सके। क्रिकेट ही उसकी नौकरी और उसका पेशा बन सकता था। फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ी की प्रतिभा को बाजार मूल्य दिया। नीलामी ने उस मूल्य को सार्वजनिक कर दिया। विज्ञापन और ब्रांड ने उसकी लोकप्रियता को कमाई में बदल दिया। जिस खिलाड़ी के लिए कभी रेलवे या बैंक की नौकरी क्रिकेट खेलने की आर्थिक शर्त थी, वह अब क्रिकेट को ही पूर्णकालिक कॅरिअर बना सकता था। आईपीएल ने खिलाड़ी को सिर्फ कर्मचारी से आगे बढ़ाकर एक व्यावसायिक संपत्ति बना दिया। एक सफल घरेलू खिलाड़ी के लिए राष्ट्रीय टीम तक पहुंचने के अलावा कमाई के नए रास्ते खुल गए।

आज के करोड़ों रुपए वाले क्रिकेट के पीछे उस दौर को भूलना आसान है, जब एक रणजी खिलाड़ी के लिए खेल और नौकरी साथ-साथ चलाना ही सबसे सुरक्षित रास्ता था। महाराजाओं के संरक्षण से शुरू हुई भारतीय क्रिकेट की यात्रा संस्थानों की नौकरी से होते हुए कॉरपोरेट और आईपीएल की अर्थव्यवस्था तक पहुंची है। यह सिर्फ क्रिकेट के बदलने की कहानी नहीं है। यह आजाद भारत की बदलती अर्थव्यवस्था और बदलते मध्यवर्ग की भी कहानी है। आजादी ने भारतीय क्रिकेट को सिर्फ एक नया देश नहीं दिया। उसने धीरे-धीरे एक नया क्रिकेटर भी तैयार किया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

आत्ममुग्धता का डिजिटल युग

विनय कुमार पाठक
व्यंग्यकार

मनुष्य वैसे भी आत्ममुग्ध प्राणी है, खुद को सर्वश्रेष्ठ और दूसरों को कमतर समझने वाला। अब करैले पर नीम चढ़ाने का काम स्मार्टफोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तरह-तरह के एप कर रहे हैं। इनकी कृपा से मनुष्य को अपनी वास्तविक प्रतिभा की कमी से परेशान होने की आवश्यकता नहीं रह गई है। जो नहीं आता, उसका भी वीडियो बनाया जा सकता है और जो आता नहीं, उसमें भी विशेषज्ञ दिखाई दिया जा सकता है। जिस व्यक्ति ने पत्नी के इशारे पर नाचने के अलावा जीवन में कभी कोई नृत्य नहीं किया, वह एप की मदद से स्वयं को नृत्य करता हुआ देख सकता है और दुनिया को दिखाकर लाइक-कमेंट बटोर सकता है। इसके लिए बस मोबाइल में उपयुक्त एप होना चाहिए। आज के जमाने में किसी और चीज की कमी भले ही हो जाए, एप की कमी नहीं है। यह अलग बात है कि इनमें से कुछ एप आपका डेटा भी बड़ी दक्षता से चुरा लेते हैं। किसी प्रसिद्ध नर्तक की नृत्य शैली चुनिए, अपना फोटो अपलोड कीजिए और कुछ ही क्षण बाद स्वयं को ऐसी मुद्राओं में नृत्य करते देखिए, जिनके बारे में आपने जीवन में कभी सोचा तक नहीं था। कभी माइकल जैक्सन, कभी प्रभु देवा। वास्तविक जीवन में दो कदम चलते ही घुटने जवाब दे दें, लेकिन मोबाइल स्क्रीन पर कमर ऐसी लचकती है कि स्वयं को देखकर आदमी आत्ममुग्ध न हो तो और क्या करे! क्रिकेट का भी यही हाल है। जिस व्यक्ति ने क्रिकेट तो दूर, गिल्ली-डंडे में भी कभी ढंग का कैच नहीं लिया, वह कुछ ही क्षणों में कपिल देव, बेन स्टोक्स, एबी डिविलियर्स या जोंटी रोड्स की शैली में कैच पकड़ता हुआ दिखाई दे सकता है। गेंद कहां से आई, हाथ कहां गया और शरीर किस कोण पर मुड़ा इन सवालों से उसे कोई लेना-देना नहीं। वीडियो में कैच शानदार है, अतः प्रतिभा भी शानदार है। अब तो किसी बड़े नेता के साथ हाथ मिलाते हुए, किसी मशहूर कलाकार के साथ कदम मिलाते हुए या किसी लोकप्रिय विदेशी हस्ती के साथ फोटो खिंचवाते हुए दिखना भी मुश्किल नहीं है। वास्तविक मुलाकात के लिए टिकट, वीजा, सुरक्षा व्यवस्था और परिचय की आवश्यकता पड़ सकती है; एप में इन सबकी कोई जरूरत नहीं। बस फोटो दीजिए और कल्पना को वास्तविकता का प्रमाण पत्र मिल जाएगा। स्मार्टफोन ने गति का खेल भी आसान कर दिया है। कभी स्लो मोशन में चलते हुए, कभी फास्ट मोशन में दौड़ते हुए वीडियो बनाइए और स्वयं की प्रतिभा पर मुग्ध होते रहिए।

यह अलग बात है कि वीडियो देखने वालों को आकर्षण के बजाय आश्चर्य, मनोरंजन या कभी-कभी कुछ ऐसी अनुभूति हो सकती है, जिसे सभ्य भाषा में व्यक्त करना कठिन हो। सबसे अद्भुत दृश्य तब होता है, जब लोग वीडियो बनाते समय कैमरे में देखने के बजाय मोबाइल की स्क्रीन पर स्वयं को ही निहारते रहते हैं। मुस्कान कैमरे के लिए नहीं, अपने प्रतिबिंब के लिए होती है। ऐसा लगता है जैसे वीडियो नहीं, आत्ममुग्धता का लाइव प्रसारण चल रहा हो। कल तक दर्पण केवल चेहरा दिखाता था। आज मोबाइल आदमी को वह भी दिखा देता है, जो वह वास्तव में है ही नहीं। और मनुष्य को इससे अधिक खुश करने वाली तकनीक आखिर हो भी क्या सकती है?

X

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
अटल जी की पुण्यतिथि पर उनका स्मरण। वे असाधारण राजनेता थे, जिन्हें दूरदर्शी सोच का वरदान प्राप्त था। उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनके शब्दों और प्रयासों ने पीढ़ियों को प्रेरित किया तथा उनके नेतृत्व ने राष्ट्र को मजबूत बनाया। सुशासन और जनकल्याण पर उनका जोर सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

अमित शाह, गृह मंत्री
@AmitShah
अटल जी पत्रकार बने तो कलम से राष्ट्रवाद, कवि बने तो शब्दों से राष्ट्रभक्ति और प्रधानमंत्री बने तो राष्ट्र की सुरक्षा व सुशासन को आगे बढ़ाया। हर भूमिका में राष्ट्र को सर्वोपरि रखने के कारण ही वे अजातशत्रु कहलाए।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
जन-भागीदारी और सहकारिता की शक्ति से ‘सहकार से समृद्धि’ का संकल्प साकार हो रहा है। माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री @AmitShah जी के मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार सहकारिता को जनशक्ति से जोड़कर हर वर्ग को आर्थिक संबल और विकास के नए अवसर प्रदान कर रही है।

दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री, राजस्थान
@KumariDiya
भारतीय राजनीति के युगपुरुष, असंख्य कार्यकर्ताओं के पथ प्रदर्शक एवं हमारे प्रेरणा स्रोत पूर्व प्रधानमंत्री ‘भारत रत्न’ श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि।

नॉलेज कॉर्नर: वैज्ञानिकों ने खोला राज... कभी गर्म रक्त वाले हुआ करते थे मगरमच्छों के पूर्वज

पंख होते तो भी नहीं उड़ पाते मगरमच्छ!

मगरमच्छ को देखकर शायद ही किसी के मन में यह सवाल आए कि उसका सबसे करीबी जीवित रिश्तेदार कौन है। लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार, मगरमच्छ और पक्षी एक ही प्राचीन समूह ‘आर्कोसॉरिफॉर्म्स’ से जुड़े हैं। इनकी साझा वंशावली करीब 25 करोड़ वर्ष पुरानी है। फिर ऐसा क्या हुआ कि एक वंश पानी में घात लगाकर शिकार करने वाला धीमा मगरमच्छ बन गया और दूसरा आसमान में उड़ने वाला पक्षी? नए वैज्ञानिक शोध से इस सवाल का एक दिलचस्प जवाब सामने आया है। ट्रायसिक काल की शुरुआत के आसपास आर्कोसॉरिफॉर्म्स का विकास हुआ। बाद में यह समूह दो प्रमुख वंशों में बंट गया। मगरमच्छों के बारे में विस्तार से जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

मगरमच्छ ‘शीत रक्त’ वाले, पक्षी ‘गर्म रक्त’ वाले

मगरमच्छ एक्टोथर्म यानी शीत रक्त वाले जीव हैं। उनके शरीर का तापमान काफी हद तक बाहरी वातावरण पर निर्भर करता है और उनकी चयापचय दर अपेक्षाकृत कम होती है। वे सामान्य परिस्थितियों में धीमे दिखाई देते हैं, लेकिन शिकार पर हमला करने या दूसरे मगरमच्छ से लड़ने के दौरान बेहद शक्तिशाली हो सकते हैं। इसके विपरीत पक्षी एंडोथर्म यानी गर्म रक्त वाले जीव हैं। उनका शरीर अपने तापमान को नियंत्रित करता है और तेज चयापचय उन्हें लंबे समय तक उड़ान जैसी ऊर्जा-खपत वाली गतिविधियां करने में सक्षम बनाता है। यही कारण है कि केवल पंख होना ही उड़ान के लिए पर्याप्त नहीं है। मगरमच्छ के शरीर पर पंख लगा दिए जाएं, तब भी उसकी कम चयापचय क्षमता उसे पक्षी की तरह उड़ने के लिए आवश्यक ऊर्जा नहीं दे पाएगी। नई धारणा के अनुसार, मगरमच्छों के शुरुआती पूर्वज ट्रायसिक काल में जमीन पर सक्रिय जीवन जीते थे। इनमें से कई दो पैरों पर भी दौड़ सकते थे। जुरासिक और क्रिटेशियस काल में मगरमच्छ वंश की सैकड़ों प्रजातियां विकसित हुईं।

गर्म रक्त वाले थे पूर्वज?

परंपरागत वैज्ञानिक धारणा यह रही है कि मगरमच्छों का वंश शुरू से ही शीत रक्त वाला था और गर्म रक्त वाली विशेषता बाद में डायनासोर-पक्षी वंश में विकसित हुई। लेकिन नए शोध से इसके उलट संभावना सामने आई है। मगरमच्छों के चार कक्षों वाले हृदय ने वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया। चार कक्षों वाला हृदय पक्षियों और स्तनधारियों जैसे गर्म रक्त वाले जीवों में पाया जाता है और इसका संबंध शरीर में तेज रक्त प्रवाह तथा उच्च रक्तचाप से है। आधुनिक मगरमच्छों का हृदय गर्म रक्त वाले जीवों जैसा है, हालांकि उनके शरीर में रक्त प्रवाह और रक्तचाप अपेक्षाकृत कम होता है। इससे संकेत मिलता है कि उनके पूर्वजों का शरीर कभी अधिक सक्रिय और गर्म-रक्त वाले जीवन के अनुकूल रहा हो सकता है।

जिस बदलाव ने मगरमच्छों को बचाया!

इस विकासवादी बदलाव का एक और बड़ा फायदा संभवतः 6.6 करोड़ वर्ष पहले मिला। उस समय एक विशाल क्षुद्रग्रह के टकराने से डायनासोर के अधिकांश वंश विलुप्त हो गए, जबकि पक्षियों का वंश बच गया। मगरमच्छों द्वारा कम चयापचय वाली जीवनशैली अपनाना शायद उनके अस्तित्व का एक कारण बना। कम ऊर्जा की आवश्यकता ने उन्हें कठिन पर्यावरणीय परिस्थितियों में लंबे समय तक जीवित रहने में मदद की।

कंटेंट: रघुवीर जांगिड़

लेखकों से आग्रह है...
वे ‘सच बेधड़क’ में प्रकाशन के लिए अपने लेख, कविता, कहानी, व्यंग्य आदि रचनाएं हमें Editor@sachbedhadakdaily.com पर ई मेल करें। साथ में रचना के अप्रकाशित होने का स्वघोषणा पत्र भी भेजें।

फर्स्ट इंडिया न्यूज की ओर से अलवर में 'अलवर-खैरथल-तिजारा गौरव सम्मान सीजन-3' का आयोजन

'हर नागरिक बने सिविल सोल्जर... ईमानदारी से निभाएं अपनी जिम्मेदारी'

बेधड़क | अलवर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर फर्स्ट इंडिया न्यूज की ओर से द फर्न होटल अलवर में 'अलवर-खैरथल-तिजारा गौरव सम्मान सीजन-3' का आयोजन किया गया। फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन उन लोगों को सम्मानित करने के कारण और भी विशेष हो जाता है, जिन्होंने समाज के लिए अपने योगदान के माध्यम से अलवर को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि अलवर की प्रतिभाओं को सम्मानित करने और उनके योगदान का उत्सव मनाने के लिए इससे बेहतर अवसर नहीं हो सकता था।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी ने पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध भपंग वादक गफरुद्दीन मेवाती जोगी को 'अलवर खैरथल-तिजारा गौरव सम्मान' से सम्मानित किया। कार्यक्रम में फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा भी मौजूद रहे। इस दौरान कोटकासिम पंचायत समिति प्रधान डॉ. विनोद कुमारी सांगवान, भाजपा अलवर जिलाध्यक्ष महा सिंह चौधरी, फर्स्ट इंडिया न्यूज के सीनियर एडिटर जिनेंद्र सिंह शेखावत, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर और दिल्ली ब्यूरो चीफ अश्विनी यादव भी मौजूद रहे।

पवन अरोड़ा ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की संगठनात्मक क्षमताओं, संवैधानिक और कानूनी विशेषज्ञता तथा कई राज्यों में चुनाव प्रबंधन के व्यापक अनुभव की प्रशंसा की। उन्होंने उनके नेतृत्व में किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया, जिनमें वन्यजीव संरक्षण, चीतों का पुनर्वास और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जैसी पहल शामिल हैं।

अरोड़ा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस को केवल कैलेंडर की एक तारीख या आजादी के बाद बीते वर्षों की गिनती के अवसर के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें केवल वर्षों की गिनती बंद करके राष्ट्र के सपनों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से प्रेरणा लेते हुए नागरिकों को भारत की प्रगति में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपने-अपने दायित्वों को ईमानदारी, अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ निभाने का आह्वान किया। उन्होंने नागरिकों से अपने दैनिक जीवन में 'सिविल सोल्जर' बनने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ पवन अरोड़ा।

अश्विनी यादव

श्वेता मिश्रा अवस्थी

उन्होंने कहा कि एक सैनिक अनुशासित, स्वस्थ, अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित और राष्ट्रप्रेम से प्रेरित होता है। हम सीमा पर सेवा नहीं कर सकते, लेकिन हम अपने कार्यक्षेत्र में उसी अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति को अपना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभानी चाहिए और देश के विकास में योगदान देना ही सच्ची देशभक्ति का एक रूप है।

पवन अरोड़ा ने सरिस्का जैसे पर्यटन स्थलों के साथ-साथ अलवर की मजबूत औद्योगिक क्षमता को भी रेखांकित किया। उन्होंने बुनियादी ढांचे, सड़कों और अन्य विकास कार्यों में हुए सुधारों का उल्लेख किया। साथ ही यह भी कहा कि पानी की उपलब्धता और औद्योगिक प्रदूषण जैसी समस्याएं अभी भी महत्वपूर्ण चिंता के विषय हैं। पवन अरोड़ा ने यह सुझाव भी दिया कि लगाए जाने वाले कम से कम 50 प्रतिशत पेड़ फलदार प्रजातियों के होने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन श्वेता मिश्रा अवस्थी ने किया। दिल्ली ब्यूरो चीफ अश्विनी यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विशाल माथुर, वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग, इमरान खान, सीनियर मैनेजर-सेल्स एंड मार्केटिंग, घनश्याम करोल, कैमरा विभाग प्रमुख और हेमंत शर्मा प्रोग्रामिंग हेड सहित फर्स्ट इंडिया न्यूज की पूरी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

"मैं फर्स्ट इंडिया न्यूज का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उसने हमें पहचान दी और सम्मानित किया। फर्स्ट इंडिया न्यूज के मजबूत नेटवर्क ने ग्रामीण समुदायों और आम लोगों की आवाज को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया है। यह समावेशी पत्रकारिता जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों को यह विश्वास देती है कि उनकी आवाज वास्तव में मायने रखती है।

- सुखवंत सिंह,
विधायक, रामगढ़

"फर्स्ट इंडिया न्यूज केवल खबरें प्रसारित नहीं कर रहा, बल्कि समाज में मौजूद प्रतिभा और अच्छाई को पहचानने और उसे आगे बढ़ाने का काम भी कर रहा है। समाज और राष्ट्र के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने वाले लोगों को सम्मानित करके फर्स्ट इंडिया न्यूज दूसरों को भी उनके उदाहरण का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करता है। ऐसी पहल 'नेशन फर्स्ट' की भावना को मजबूत करती हैं और 2047 तक विकसित भारत के हमारे संकल्प में योगदान देती हैं।

- महंत बालक नाथ योगी,
विधायक, तिजारा

प्रशासनिक समन्वय की दिखी मिसाल

6 दिन... 3 बड़े इवेंट और बेमिसाल कोऑर्डिनेशन

बेधड़क | जयपुर

भजनलाल सरकार ने पिछले छह दिनों में तीन महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजनों- ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक, स्वतंत्रता दिवस समारोह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे का सफलतापूर्वक समन्वय और आयोजन किया। लगातार उच्च-स्तरीय आयोजनों के बीच राज्य प्रशासन ने सुरक्षा से लेकर प्रोटोकॉल और यातायात व्यवस्था तक विभिन्न मोर्चों पर प्रभावी समन्वय किया। इन आयोजनों के दौरान सुरक्षा, प्रोटोकॉल, लॉजिस्टिक्स, यातायात प्रबंधन, आतिथ्य और अन्य प्रशासनिक

भजनलाल शर्मा

वी. श्रीनिवास

अखिल अरोड़ा

व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न विभागों के बीच लगातार तालमेल रखा गया। सीमित समय में तीन बड़े आयोजनों के संचालन को प्रशासन की कार्यक्षमता और समन्वय क्षमता के उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है। सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री कार्यालय, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित विभागों ने व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छह दिनों के भीतर तीन उच्च-स्तरीय राष्ट्रीय आयोजनों के सफल संचालन से राजस्थान प्रशासन की त्वरित निर्णय क्षमता, बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय और प्रभावी क्रियान्वयन की तस्वीर सामने आई है।

राजस्थान हाई कोर्ट परिसर में नवनिर्मित G+7 भवन का लोकार्पण

कानून के साथ मानवता जरूरी: CJI

बेधड़क | जोधपुर

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के जोधपुर दौरे और राजस्थान हाई कोर्ट परिसर में नवनिर्मित G+7 भवन के लोकार्पण से न्यायिक इतिहास में नया अध्याय जुड़ा। समारोह में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जोधपुर अपनायत और संवेदना की पवित्र भूमि है। न्याय केवल कानून और तर्क से नहीं, बल्कि समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के प्रति मानवीय संवेदना से भी पूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि

हाई कोर्ट परिसर में आयोजित लोकार्पण समारोह में सीजेआई सूर्यकांत को मोमेटो भेंट कर स्वागत करते बार एसोसिएशन के सदस्य।

फैसले कानून की तराजू पर तौले जाएं, लेकिन उनमें मानवता और आत्मीयता की महक भी हो।

राजस्थान हाई कोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन, जोधपुर एवं राजस्थान हाई कोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वागत समारोह में सीजेआई का अभिनंदन किया गया।

8 साल में JJM से 64 लाख घरों तक पहुंचा पानी

3 बड़े जल समझौतों से आधे राजस्थान की बुझेगी प्यास: शाह

बेधड़क | चित्तौड़गढ़/जयपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का पूरा जीवन राष्ट्र प्रथम की भावना को समर्पित रहा। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने राष्ट्रभक्ति के सिद्धांत से समझौता नहीं किया। प्रधानमंत्री के रूप में अटलजी ने देश के विकास और सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले किए। विश्व के दबाव के बावजूद पोखरण में परमाणु परीक्षण कर उन्होंने भारत की सामरिक शक्ति का परिचय दिया। केंद्रीय गृह मंत्री रविवार को चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की अष्टधातु प्रतिमा के अनावरण के बाद आयोजित अटल गौरव स्मृति समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान 15 जिलों में 5,659 करोड़ से अधिक लागत के 944 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। जल जीवन मिशन के तहत 1,500 गांवों को हर घर नल से जल की सौगात भी दी गई। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहले केवल 11 लाख घरों तक नल से पानी पहुंचता था। महिलाओं को दूर-दराज से पानी लाना पड़ता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के माध्यम से आठ वर्षों में 64 लाख घरों तक पेयजल पहुंचा है। अमित शाह ने कहा कि अटलजी ने गांवों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज योजना को आगे बढ़ाया।

विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। साथ में हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं सांसद सीपी जोशी।

वंदे मातरम् को फिर मिला सम्मान

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 80वें स्वतंत्रता दिवस पर देशभर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन हुआ। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इस अमर गीत ने करोड़ों देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाई। आजादी के संघर्ष में अनेक लोगों ने इसके साथ जुड़कर बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की अमर रचना को फिर व्यापक सम्मान मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने गिनाईं उपलब्धियां

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। पचपदरा में 80 हजार करोड़ की लागत से स्थापित राजस्थान रिफाइनरी, ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भरता और 1,192 किलोमीटर नए एक्सप्रेस-वे जैसे कार्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2030 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तथा 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य दोहराया। कार्यक्रम से पहले अमित शाह ने अटल बिहारी वाजपेयी की अष्टधातु प्रतिमा का अनावरण कर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने पंच गौरव पवेलियन, भारत टैक्सी, ई-पैक्स, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र, माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, राजीविका, चित्तौड़गढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, झाबर सिंह खर्रा, गौतम कुमार दक, डॉ. मंजू बाघमार, सांसद सीपी जोशी, चुन्नीलाल गरासिया, मन्नालाल रावत, दामोदर अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, विधायक श्रीचंद कृपलानी, अर्जुन लाल जीनगर, सुरेश धाकड़, चंद्रभान आक्या सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आमजन मौजूद रहे।

बेधड़क FIRST

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जीता दिल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक बार फिर संगठनात्मक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अलवर और निम्बाहेड़ा में बड़ी जनसभाएं कराईं। सूत्रों के अनुसार अलवर में करीब 60 से 70 हजार और निम्बाहेड़ा में 15 से 20 हजार लोग पहुंचे। दोनों सभाओं में कार्यकर्ताओं और आमजन में खासा उत्साह नजर आया। भीड़ का उत्साह देखकर अमित शाह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाई। अलवर सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव भी संगठन की मजबूती में सक्रिय नजर आए। अमित शाह ने भूपेंद्र यादव को अपना मित्र बताते हुए संबोधित किया। शाह ने प्रदेश को विकास कार्यों की सौगात दी और नवगठित जिलों में चार नए सहकारी बैंक खोलने की घोषणा की। साथ ही किसान सम्मान निधि की राशि किसानों के खातों में हस्तांतरित की।

उदयपुर की सड़कों पर आमजन के बीच नजर आए मुख्यमंत्री भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का उदयपुर दौरा राजनीतिक कार्यक्रमों के साथ आमजन से जुड़ाव को लेकर भी चर्चा में रहा। शहर में मुख्यमंत्री की एक तस्वीर सोशल मीडिया और लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी, जिसमें वे आम लोगों के साथ सड़क पर मॉर्निंग वॉक करते दिखाई दिए। मुख्यमंत्री का इस तरह सहज अंदाज में लोगों के बीच पहुंचना लोगों को खासा पसंद आया। आमतौर पर सुरक्षा और प्रोटोकॉल के घेरे में रहने वाले मुख्यमंत्री का सामान्य नागरिक की तरह लोगों के साथ समय बिताना उनकी लोकप्रियता बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

बात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बीकानेर दौरे की

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की सूचना बीकानेर जिला प्रशासन को महज 15 दिन पहले मिली, लेकिन इतने कम समय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आठ कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। मेघासर में राजनीतिक समन्वय से लेकर अंतिम समय में कार्यक्रमों में बदलाव तक प्रशासन ने बेहतर तालमेल दिखाया। जिला कलक्टर निशांत जैन और एसपी मृदुल कच्छावा की टीम ने प्रभावी समन्वय किया। आईजी ओमप्रकाश की मोबाइल मॉनिटरिंग और लगातार संपर्क भी कारगर रहा। युवा आईएएस अधिकारी सिद्धार्थ पलानाचामी और शैलजा पांडे ने भी जिम्मेदारी निभाई। एडीएम उम्मेद सिंह रतनू का अनुभव काम आया। सीएमओ के सिद्धार्थ सियाग की क्लोज मॉनिटरिंग भी अहम रही। अब प्रशासन के सामने निकाय और पंचायत चुनाव की चुनौती है।

वाकई हार्डवर्किंग CM भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लगातार व्यस्त दौरे उनकी कार्यशैली को लेकर चर्चा में हैं। दो दिनों में उन्होंने दो जिलों में सरहद से शहर तक करीब 12 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। व्यस्त कार्यक्रम के चलते उन्हें दो बार हेलीकॉप्टर में ही भोजन करना पड़ा। अंधेरा होने के कारण कई बार सड़क मार्ग से लंबा सफर भी तय किया। जयपुर पहुंचने के बाद उन्होंने संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया और सीएमओ पहुंचे। इसके बाद उदयपुर के लिए रवाना हुए। उदयपुर से अगले दिन निम्बाहेड़ा जाने का कार्यक्रम रहा, जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सभा में शामिल होना था। अलवर में भी शाह के कार्यक्रम की मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री करते रहे।

बड़ी चौपड़ पर स्वाधीनता दिवस कार्यक्रम के दौरान गफलत

बड़ी चौपड़ पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित भाजपा और कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदेमातरम् को लेकर अलग-अलग चूक सामने आई। भाजपा के कार्यक्रम में वंदेमातरम् गान के दौरान डीजे पर पूरा और सही गायन नहीं हो पाया। वहीं कांग्रेस के कार्यक्रम में वंदेमातरम् की जगह राष्ट्रगान बज गया। स्थिति स्पष्ट होने के बाद डीजे बंद कराया गया। इसके बाद प्रताप सिंह खाचरियावास और सुनील शर्मा ने स्वयं वंदेमातरम् गाया, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी साथ दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रगान का आयोजन निर्धारित परंपरा के अनुसार सबसे अंत में किया गया।

निकाय-पंचायत चुनाव की जंग और कांग्रेस में टिकटों का वितरण

स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों को लेकर कांग्रेस में टिकट वितरण की तैयारियां चर्चा में हैं। पार्टी के भीतर इस बार टिकट तय करने के तरीके में बदलाव की संभावनाओं पर मंथन चल रहा है। अब तक विधायक, सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की सिफारिशों को टिकट वितरण में अहम माना जाता रहा है। इस बार जिला अध्यक्षों की राय को भी महत्व देने की चर्चा है। इसके अलावा जिलों के पीसीसी प्रभारी और विधानसभा कोऑर्डिनेटर की रिपोर्ट को भी टिकट चयन में शामिल किया जा सकता है। पार्टी स्तर पर चुनाव जीतने की क्षमता और स्थानीय समीकरणों को ध्यान में रखने की बात कही जा रही है। हालांकि अंतिम निर्णय में विधायक, सांसद और विधानसभा प्रत्याशियों की भूमिका प्रभावी रहने की संभावना है।

स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव

स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव में बीजेपी के सामने कांग्रेस के साथ क्षेत्रीय दलों की चुनौती भी रहने वाली है। नागौर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी यानी RLP चुनावी समीकरण प्रभावित कर सकती है। पार्टी का जयपुर, बीकानेर और शेखावाटी सहित कई क्षेत्रों में भी असर माना जा रहा है। वहीं वागड़ क्षेत्र में भारत आदिवासी पार्टी यानी BAP बीजेपी और कांग्रेस दोनों के लिए चुनौती बन सकती है। बांसवाड़ा और डूंगरपुर में BAP का मजबूत नेटवर्क है। राजस्थान विधानसभा में पार्टी के चार विधायक हैं। धरियावद से थावरचंद, आसपुर से उमेश मीणा, बागीदौरा से जयकृष्ण पटेल और चौरासी से अनिल कटारा विधायक हैं। बांसवाड़ा-डूंगरपुर से राजकुमार रोत सांसद हैं। BAP पंचायत और निकाय चुनावों में भी उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है।

जयपुर जिला प्रशासन का आमंत्रण पत्र चर्चा का विषय

जयपुर जिला प्रशासन की ओर से चौगान स्टेडियम में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के आमंत्रण पत्र को लेकर चर्चा शुरू हो गई। कार्यक्रम में उद्योग एवं युवा खेल मंत्री मुख्य अतिथि थे, लेकिन आमंत्रण पत्र में मंत्री का नाम ही नहीं छपा। पत्र में केवल उनके विभागों का उल्लेख करते हुए उन्हें 'महोदय' संबोधित किया गया। आमंत्रण पत्र सामने आने के बाद इसे प्रशासनिक स्तर पर गंभीर चूक और लापरवाही बताया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर पेश किया विकसित भारत- 2047 का रोडमैप

भारत को नवाचार का केंद्र बनना चाहिए: PM मोदी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रौद्योगिकी और नवाचार को भारत की वृद्धि आकांक्षाओं के केंद्र में रखते हुए उभरती प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व करने का आह्वान किया और अगले एक साल में एक करोड़ युवाओं को कृत्रिम मेधा (एआई) का कौशल प्रशिक्षण देने की घोषणा की। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की दिशा में युवाओं से समाज और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका संभालने का आह्वान भी किया। मोदी शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस पर ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रशिक्षण, शिक्षा, खेल, नागरिक सुरक्षा, सेमीकंडक्टर निर्माण, परमाणु ऊर्जा और महिला नेतृत्व वाले विकास को शामिल करने वाली कई योजनाओं की घोषणा की और 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए अपना रोडमैप भी प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री ने कहा, आज दुनिया एआई, क्वांटम, अंतरिक्ष, रोबोटिक्स और डेटा केंद्रों की है। नए क्षेत्र खुल गए हैं।

क्या है मोदी की शक्ति की सप्तधारा

- विनिर्माण शक्ति
- कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण
- प्रौद्योगिकी एवं नवाचार
- गतिशक्ति
- रक्षा शक्ति
- हरित एवं नीली अर्थव्यवस्था
- सॉफ्ट पावर

दिया शक्ति का मंत्र

अपने 75 मिनट के संबोधन में मोदी ने 'शक्ति की सप्तधारा' का उल्लेख किया और कहा कि विनिर्माण शक्ति, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, गतिशक्ति, रक्षा शक्ति, हरित एवं नीली अर्थव्यवस्था और सॉफ्ट पावर वो शक्तियां हैं जो भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। प्रधानमंत्री ने मजबूत और प्रभावी नागरिक सुरक्षा बुनियादी ढांचा विकसित करने का आह्वान किया।

महिला आरक्षण पर नहीं हो राजनीति

पीएम मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से महिला आरक्षण लागू कराने के लिए समर्थन देने का आग्रह किया और कहा कि अब यह मुद्दा राजनीतिक अखाड़े का शिकार नहीं बने रहना चाहिए। मोदी ने देश से नक्सलवाद के खात्मे का उल्लेख किया और कहा कि चुनौती को कभी भी कमतर नहीं आंकना चाहिए तथा सतर्क रहना होगा क्योंकि 'हथियारी नक्सल' भले ही खत्म हो गए हों, लेकिन 'दिमागी नक्सली' अब भी मौके की तलाश में हैं।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ नेपाल की यात्रा पर

काठमांडू। भारत के सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ नेपाल के अपने समकक्ष जनरल अशोक राज सिग्देल के निमंत्रण पर चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए रविवार दोपहर काठमांडू पहुंचे। नेपाल सेना के प्रवक्ता राजाराम बस्नेत के अनुसार, भारत के सेना प्रमुख को नेपाल सेना के मानद जनरल की उपाधि प्रदान की जाएगी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल सोमवार को शीतल निवास में एक विशेष समारोह में जनरल सेठ को मानद रैंक प्रदान करेंगे।

'रहमान की यात्रा के अनुकूल माहौल बनाए भारत'

ढाका। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह चाहता है कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई दिल्ली की प्रस्तावित यात्रा के लिए भारत अनुकूल माहौल बनाए। रहमान की 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत यात्रा प्रस्तावित है। 'डेली स्टार' अखबार ने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शाहिदुल करीम के हवाले से कहा, इस यात्रा के लिए उचित माहौल बनाने की जरूरत है। करीम का इशारा पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग वाले मुद्दे की ओर था।

UGC-नेट: तीन विषयों की पुन: परीक्षा सितंबर में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए)ने जून में आयोजित यूजीसी-नीट 2026 के तीन विषयों अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र की परीक्षा दोबारा कराने की घोषणा की है। एनटीए ने इन विषयों के प्रश्नपत्रों में त्रुटियों की शिकायत मिलने के बाद यह फैसला लिया है। अंग्रेजी विषय की परीक्षा नौ सितंबर को सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक वाणिज्य विषय की परीक्षा उसी दिन अपराह्न तीन बजे से शाम छह बजे तक तथा समाजशास्त्र की परीक्षा 10 सितंबर को सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएगी।

भाजपा प्रमुख नवीन की नई टीम का ऐलान आज संभव

पूनियां, जोशी व अलका को मिल सकता है बड़ा जिम्मा!

■ अनुभवी और युवा नेताओं का संगम होगी नई टीम, संतुलन साधा जाएगा

बेधड़क | नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के समापन के बाद भारतीय जनता पार्टी के संगठन में बड़े फेरबदल के संकेत हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 17 अगस्त को अपनी नई टीम का ऐलान कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार नवीन की नई टीम में युवा और अनुभवी नेताओं का संगम होगी। इसके साथ ही नई टीम में हर स्तर पर संतुलन भी दिखेगा। ज्ञात रहे कि 2027 में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसलिए मिशन 2027 की तैयारी के मद्देनजर आगामी विधानसभा चुनावों के समीकरणों को ध्यान में रखकर ही पार्टी नई टीम तैयार हो रही है और उसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब से लेकर दक्षिण भारत तक के चेहरों को तरजीह दी जाएगी।

पार्टी का फोकस नई लीडरशिप तैयार करने पर

सूत्रों के अनुसार भाजपा के इस संगठनात्मक फेरबदल में युवा ऊर्जा के साथ पुराने संगठनकर्ताओं को तवज्जो मिलने की उम्मीद है। पार्टी का फोकस संगठन में नई लीडरशिप तैयार करने पर है। नई टीम में कई युवा चेहरों को राष्ट्रीय जिम्मेदारी मिल सकती है। वहीं, सुनील बंसल और विनोद तावड़े जैसे अनुभवी रणनीतिकारों को को भी बड़ी भूमिका मिल सकती है। संगठन में संभावित जिम्मेदारी के लिए राजस्थान प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश पूनियां और सीपी जोशी तथा हाल में राज्यसभा की सदस्य निर्वाचित हुई अलका गुर्जर के नामों की भी चर्चा है। पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं तथा पार्टी इस सीमावर्ती राज्य में अपने विस्तार की रणनीति पर काम कर रही है। ऐसे में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को अहम जिम्मेदारी मिलने की संभावना है।

ये अहम हो सकता है फेरबदल में

- ओबीसी और सभी सामाजिक वर्गों को साधने की मजबूत कवायद।
- यूपी, राजस्थान, पंजाब से लेकर दक्षिण भारत तक के चेहरों को तरजीह संभव।
- मिशन 2027 की तैयारी।
- आगामी विधानसभा चुनावों के समीकरणों को ध्यान में रखकर तैयार हो रही है नई टीम।

बढ़ सकता है महिलाओं का प्रतिनिधित्व

सूत्रों के अनुसार पार्टी का संगठन में महिला प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर भी विशेष जोर है। ऐसे में संगठन में नई महिला लीडरशिप भी दिखाई दे सकती है। वहीं, संगठनात्मक फेरबदल में सोशल इंजीनियरिंग भी देखने को मिल सकती है। पार्टी ओबीसी और अन्य सभी सामाजिक वर्गों को साधने की मजबूत कवायद में जुटी है।

हवाईअड्डे पर लाइसेंसी पिस्तौल से चली गोली

वाराणसी/ नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल भवन में रविवार सुबह जांच के दौरान एक यात्री की लाइसेंसी पिस्तौल से कथित तौर पर गलती से गोली चल गई, जिसमें एक महिला कर्मचारी और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मामले में संबंधित यात्री के खिलाफ फूलपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, आजमगढ़ निवासी कमलेश राय अपनी पत्नी के साथ मुंबई जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान से यात्रा करने के लिए हवाईअड्डे पहुंचे थे। उनके पास लाइसेंसी पिस्तौल थी।

इंडोनेशिया में भूकंप: मलबे में दबे लोगों की तलाश

रुतेंग। पूर्वी इंडोनेशिया में एक दिन पहले आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में मृतकों की संख्या रविवार को चार और शव बरामद होने के बाद बढ़कर 51 हो गई। भूकंप के कारण हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप के बाद कम से कम 235 झटके महसूस किए गए। रविवार को बचावकर्मी भूकंप के कारण हुए भूस्खलन के कारण मलबे में दबे लोगों की तलाश में जुटे रहे।

स्वतंत्रता संग्राम का अभिन्न हिस्सा रहा है कानूनी पेशा

कानून का असली मकसद आदेश देना नहीं, न्याय करना है: सूर्यकांत

बेधड़क | नई दिल्ली

देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम का कानून से गहरा और स्थायी संबंध था तथा उस पीढ़ी के कुछ बेहतरीन कानूनी जानकारों की सोच और काम की वजह से ही हमें यह समझ में आया कि कानून का असली मकसद सिर्फ आदेश देना या नियम बनाना नहीं, बल्कि न्याय करना, आजादी की रक्षा करना और इंसानी गरिमा को बनाए रखना है। सीजेआई सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट परिसर में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीजेआई ने कहा कि आधुनिक भारत के दो महानतम निर्माता महात्मा गांधी और बी. आर. अंबेडकर भी वकील थे। उन्होंने कहा कि उनका जीवन यह दर्शाता है कि कानूनी पेशा भारत के स्वतंत्रता संग्राम का महज मूक दर्शक नहीं, बल्कि उसका अभिन्न हिस्सा था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें रुककर उन पुरुषों और महिलाओं को गहरे आभार के साथ याद करने के लिए प्रेरित करता है, जिन्होंने अपनी जान, अपनी मेहनत और अपने सपनों का बलिदान दिया, ताकि हमें आज का यह प्यारा भारत मिल सके। युवा वकीलों के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज पेशा अधिक प्रतिस्पर्धी हो गया है।

पीएम मोदी ने वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और देश की प्रगति में उनकी अतुलनीय भूमिका को याद किया। मोदी और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में वाजपेयी के समाधि स्थल 'सदैव अटल' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने वाजपेयी को असाधारण राजनेता बताया। चित्र में वाजपेयी को नमन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी।

भाजपा-कांग्रेस ने एक दूसरे पर साधा निशाना

संविधान को नहीं मानने वाले हैं दिमागी नक्सली: रिजिजू

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस के स्वतंत्रता दिवस समारोह में वंदे मातरम् के कथित अपमान को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। वहीं, लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के दौरान 'दिमागी नक्सली' संबंधी टिप्पणी को लेकर रविवार को कांग्रेस और भाजपा में जुबानी जंग छिड़ गई।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री विपक्ष के नेताओं की बात नहीं कर रहे थे, बल्कि उन लोगों की बात कर रहे थे जो माओवादियों और अलगाववादियों का समर्थन करते हैं और भारतीय संविधान को नहीं मानते। प्रधानमंत्री मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से कहा था कि देश 'हथियारी नक्सलवाद' को जंगलों से खत्म करने में सफल रहा है, लेकिन उसके वैचारिक समर्थक हिंसा और अराजकता को बढ़ावा देने के अवसर तलाश रहे हैं। मोदी ने नागरिकों से ऐसे लोगों की पहचान करने और उन्हें अलग-थलग करने का आग्रह किया था। विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी को असहमति जताने वालों और सरकार से सवाल पूछने वालों को बदनाम करने की कोशिश बताया है।

पीएम मोदी ने नहीं की विपक्षी नेताओं की बात

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पीएम मोदी ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा। उन्होंने कहा, सिर्फ ये लोग दिमागी नक्सली हैं: 1. जो माओवादियों का समर्थन करते हैं और भारतीय संविधान को नहीं मानते। 2. जो अलगाववादियों के साथ खड़े हैं और अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं। 3. जो पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने के लिए 'चिकन नेक' को काटना चाहते हैं।

'दिमागी नक्सली' होने पर गर्व: चिदंबरम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दिमागी नक्सल' संबंधी टिप्पणी को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए रविवार को कहा, मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है। दूसरी ओर, कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि केवल सरकार पर सवाल उठाने के कारण पढ़े लिखे युवाओं को "नक्सली" करार नहीं दिया जा सकता।

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने किया वंदे मातरम् का अपमान

दूसरी ओर, भाजपा ने देशभक्ति से जुड़ी किसी भी चीज का विरोध करना कांग्रेस की नीति है और सवाल किया कि भारत की संप्रभुता और अखंडता में विश्वास रखने वाला कोई व्यक्ति स्वतंत्रता दिवस पर 'वंदे मातरम' गाने से क्या 'नाराज' होगा। पार्टी ने आरोप लगाया कि शनिवार को कांग्रेस के स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम गाए जाने पर कांग्रेस नेताओं- सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने उसके प्रति 'घोर अनादर' दिखाया।

पॉलिटिकल पॉप कॉर्न

लाल किला, 2047 का रोडमैप और विपक्ष का चश्मा!

लाल किले से मोदी का 'अमृत काल'!

स्वतंत्रता दिवस के ठीक अगले दिन दिल्ली के सत्ता गलियारों में सबसे ज्यादा व्यस्तता उन जानकारों की रही, जो लाल किले की प्राचीर से निकले प्रधानमंत्री के 103 मिनट के विजन को तराशने में जुटे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, एक करोड़ युवाओं के एआई कौशल और 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने का व्यावहारिक खाका खींचा, उसने उद्योग जगत से लेकर आम जनता तक में भारी उत्साह भर दिया है। नीतिगत निरंतरता और साहसिक सुधारों के दम पर भारत की वैश्विक साख को नई ऊंचाई देने वाला यह भाषण देश के विकास को नई रफ्तार देने वाला साबित हो रहा है। अलबत्ता विपक्षी खेमे के दिग्गज इस दूरगामी रणनीति की काट तलाशने के बजाय सिर्फ 'चुनावी कोड्स' खोजने में अपनी ऊर्जा खपाते दिखे। कई राजनीतिक प्रेक्षक चुटकी ले रहे हैं कि मोदी के विकास मॉडल पर सवाल उठाने वाले खुद बिना किसी वैकल्पिक विजन के सिर्फ बयानों तक सिमट कर रह गए हैं। अब यक्ष प्रश्न यह बना हुआ है कि 2047 के इस स्पष्ट और महत्वाकांक्षी रोडमैप के सामने विपक्षी दल अपनी सियासी प्रासंगिकता कैसे बचाएंगे?

निशाने पर रुकावट की राजनीति, बेचैन विपक्ष!

पीएम मोदी के कड़े संदेश से तिलमिलाए विरोधियों ने खुद ही ओढ़ लिया आरोपों का चोला!

स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब बिना किसी का नाम लिए राष्ट्रहित में सकारात्मक सोच अपनाने और प्रगति में रोड़ा अटकाने वाली नकारात्मक प्रवृत्तियों पर कड़ा प्रहार किया तो विपक्ष में अचानक खलबली मच गई। पीएम का स्पष्ट संदेश देश की ऊर्जा को विकास में लगाने का था, लेकिन आत्मग्लानि में घिरे विपक्षी नेताओं ने खुद ही उस बयान को अपने ऊपर लेकर दिनभर सोशल मीडिया पर हाय-तौबा मचाए रखी। सचमुच, जब बात देश को आगे ले जाने और राष्ट्रीय एकता की मजबूती की थी, तब विपक्ष का यह बेवजह का हल्ला उनकी अपनी ही असुरक्षा और रचनात्मक राजनीति के अभाव को जगजाहिर कर रहा है। अलबत्ता जनता भली-भांति देख रही है कि एक तरफ जहां मोदी जी 2047 के निर्माण की बात कर रहे हैं, वहीं विपक्षी खेमा केवल शाब्दिक बखेड़ा खड़ा कर सुर्खियों में बने रहने की कोशिश कर रहा है। कई राजनीतिक प्रेक्षक इस पर हैरानी जताते हुए पूछ रहे हैं कि जब किसी दल का नाम ही नहीं लिया गया, तो फिर इस तिलमिलाहट का असली राज क्या है? अब यक्ष प्रश्न यही बना हुआ है कि राष्ट्र निर्माण के ठोस संकल्पों का स्वागत करने के बजाय आखिर विपक्ष हर कड़वी सच्चाई पर खुद को ही कटघरे में खड़ा क्यों मान लेता है!

एआई, डेटा और 1 करोड़ युवाओं का नया दांव

राजनीतिक दलों के डिजिटल वॉर-रूम में तकनीकी होड़!

लाल किले से देश के एक करोड़ युवाओं को एआई कौशल से लैस करने की सरकारी घोषणा के बाद राजनीति में भी टेक-वार शुरू हो गया है। सत्ता पक्ष इसे डिजिटल इंडिया का अगला बड़ा कदम बता रहा है, तो विपक्ष तुरंत बेरोजगारी और वास्तविक नौकरियों के आंकड़े लेकर सामने आ गया है। अलबत्ता दोनों ही दलों के आईटी सेल ने तुरंत अपने-अपने एल्गोरिदम और मीम जनरेटर चालू कर दिए हैं। कई राजनीतिक प्रेक्षक व्यंग्य कर रहे हैं कि भले ही आम युवाओं को एआई सीखने में एक साल लगे, लेकिन हमारे राजनेताओं के प्रवक्ताओं ने एआई-जनरेटेड तर्कों से बहस जीतना आज ही सीख लिया है!

'रचनात्मक कांग्रेस' के मंच से मर्यादा तार-तार!

'हग ड्रामे' पर जनता ही नहीं, खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी असहज!

दिल्ली के मावलंकर हॉल में आयोजित 'रचनात्मक कांग्रेस' के राष्ट्रीय सम्मेलन में पार्टी ने एक गंभीर वैचारिक मंच देने का दावा किया था, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा मंच पर ही नेता को गले लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति का सरेआम उपहास उड़ाने के अंदाज ने पूरे कार्यक्रम को विवादों में धकेल दिया। प्रधानमंत्री के कद और देश के राजनयिक शिष्टाचार पर किए गए इस हल्के-फुल्के कटाक्ष को आम जनता और सोशल मीडिया पर कतई पसंद नहीं किया गया। सचमुच गंभीर नीतिगत बहस के बजाय इसे एक फूहड़ राजनीतिक स्टंट माना जा रहा है। अंदरखाने की खबर यह है कि खुद कांग्रेस के कई अनुभवी और वरिष्ठ नेता भी इस ड्रामे से बेहद खफा हैं। उनका मानना है कि ऐसे बचकाने प्रदर्शनों से नेता प्रतिपक्ष पद की गरिमा गिरती है और पार्टी की साख को भारी नुकसान पहुंचता है। अलबत्ता शीर्ष नेतृत्व के इर्द-गिर्द रहने वाले सलाहकार इसे 'आउट-ऑफ-द-बॉक्स' राजनीति साबित करने में जुटे हैं!

■ संकलन: संदीप मिश्रा

जरूरी खबर

आयुर्वेदिक दवा की आड़ में डोडा पोस्त की तस्करी

अजमेर। जिले की गेगल थाना पुलिस एवं DST अजमेर ने पिकअप से 10 क्विंटल 9.800 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया, जिसकी कीमत 1 करोड़ 51 लाख 47 हजार रुपए बताई गई है। मामले में अमर सिंह मोगिया (29) निवासी मोड़ी, जिला नीमच एमपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार कायड़ चौराहे से पुष्कर की ओर जा रही पिकअप की तलाशी में नींबू-संतरे के छिलकों के नीचे श्री श्याम औषधि आयुर्वेदिक लिखी पैकिंग में मादक पदार्थ छिपा मिला।

तारबंदी पार कर भारत में घुसे पाक नागरिक को पकड़ा

बाड़मेर। स्वतंत्रता दिवस पर भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ ने तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसे पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लिया। उसकी पहचान पाकिस्तान के मिठी जिले के जहरिलों गांव निवासी 60 वर्षीय बाकू खान पुत्र इस्माइल खान के रूप में हुई है। केकेटी पोस्ट के पास गश्त के दौरान जवानों ने उसे भारतीय क्षेत्र में आते देखा। चेतावनी के बाद उसे पकड़ा। प्रारंभिक पूछताछ के बाद बीएसएफ ने उसे बिजराड़ थाना पुलिस को सौंप दिया।

बीकानेर में सीएम ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली

अपराध-भ्रष्टाचार पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति: सीएम

बेधड़क | बीकानेर

80वें स्वतंत्रता दिवस पर बीकानेर का डॉ. करणी सिंह स्टेडियम राष्ट्रभक्ति और विकास के संकल्प का साक्षी बना। राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए विकसित राजस्थान के रोडमैप के साथ राजस्थान सिविल संहिता-2026 लाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक पहुंचकर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी। समारोह में केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, डीजीपी राजीव शर्मा सहित जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता की भावना को सामने रखता है। इसी दिशा में राज्य सरकार राजस्थान सिविल संहिता-2026 लाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अपराध और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ शांति और सुरक्षा का वातावरण मजबूत कर रही है। सीएम ने अपने संबोधन में राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल परियोजना, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी और माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना को विकास के नए इंजन बताया। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना में 91 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान है और 17 जिलों को पेयजल व सिंचाई सुविधा मिलेगी। राजस्थान सौर ऊर्जा क्षमता में देश में प्रथम स्थान पर पहुंच चुका है। 31 माह में 18 हजार किलोमीटर से अधिक नई सड़कों का निर्माण हुआ है। मुख्यमंत्री ने किसानों, महिलाओं, श्रमिकों और जरूरतमंदों के लिए संचालित योजनाओं की उपलब्धियां भी गिनाईं। किसान सम्मान निधि की राज्य सहायता छह हजार से बढ़ाकर नौ हजार रुपए की गई है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1,450 रुपए प्रतिमाह करने, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में तीन लाख 82 हजार आवास तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में छह लाख मरीजों को 9,700 करोड़ रुपए से अधिक का कैशलेस उपचार मिलने की जानकारी दी।

स्वतंत्रता दिवस पर परेड का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

पांच ई-बसों से हरित परिवहन की शुरुआत

बीकानेर में मुख्यमंत्री ने पांच ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर संचालन शुरू कराया। उन्होंने इसे हरित राजस्थान की दिशा में अहम कदम बताते हुए स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की बात कही। प्रथम चरण में 75 ई-बसों का संचालन प्रस्तावित है। शहर के लिए 25 रूट चयनित किए गए हैं।

राष्ट्रपति पदक से महेचा सम्मानित

समारोह में बाली के एएसपी चैन सिंह महेचा को पुलिस सेवा में उल्लेखनीय कार्य और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उन्हें राष्ट्रपति का प्रशस्ति पत्र भी सौंपा। महेचा के नेतृत्व में 15 ब्लाइंड मर्डर मामलों का खुलासा हुआ। पुलिस कार्रवाई में करीब 1.74 करोड़ रुपए की नकली मुद्रा, मादक पदार्थ और अवैध शराब जब्त करने में भी महत्वपूर्ण सफलता मिली। समारोह में करीब 1,200 स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। राजस्थान के मांगणियार कलाकारों के वंदे मातरम् के साथ चरी, कालबेलिया, भवई और गेर नृत्य प्रस्तुत किए गए। उत्तर प्रदेश के मथुरा के कलाकारों ने मयूर, पश्चिम बंगाल के पुरुलिया के कलाकारों ने छाऊ और रायबेसे तथा ओडिशा के कलाकारों ने पाइका नृत्य प्रस्तुत कर सांस्कृतिक विविधता का रंग भर दिया। इस आयोजन ने विकास, सुशासन, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सुरक्षा के संकल्प को एक मंच पर साकार किया।

राष्ट्रपति पदक से ASP चैन सिंह महेचा को सम्मानित करते सीएम।

सहकारिता मंत्री ने महिलाओं से की चर्चा

अमित शाह अलवर आयो बजरंग बली की जय...

अलवर में मीणा वाटी में गीत सुनकर महिलाओं से चर्चा करने पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। साथ में हैं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव।

बेधड़क | अलवर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अलवर दौरे के दौरान दुग्ध उत्पादक महिला किसानों से आत्मीय संवाद किया। विजय मैदान पहुंचने पर पीली लूगड़ी और घूंघट धारण किए मीणा वाटी में लोकगीत गा रहीं महिलाओं को देखकर शाह केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ उनसे मिलने पहुंच गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भूपेंद्र यादव सहित अन्य नेताओं ने शाह का स्वागत किया।

शाह ने महिलाओं से उनके पशुधन और दुग्ध व्यवसाय की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि डेयरी से दूध का भुगतान 15 दिन में एक बार मिलता है। इस पर शाह ने भरोसा दिलाया कि अब सात दिन के भीतर भुगतान की व्यवस्था होगी और महीने में चार बार सीधे खातों में राशि पहुंचेगी। घोषणा पर महिलाओं ने तालियां बजाकर खुशी जताई और लोकगीतों के साथ स्वागत किया।

सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि अलवर में 300 लीटर क्षमता वाला दुग्ध प्लांट शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र यादव लंबे समय से 500 लीटर क्षमता वाले प्लांट की मांग कर रहे हैं। शाह ने भरोसा दिलाया कि भूपेंद्र यादव के अगली बार सांसद के लिए वोट मांगने से पहले प्लांट की क्षमता 500 लीटर कर दी जाएगी। इससे दुग्ध उत्पादक किसानों को बाजार और भुगतान व्यवस्था में बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है।

तीज माता की सवारी निकली

बेधड़क | निवाई

कस्बे में रविवार शाम करीब 5 बजे नगर पालिका के तत्वावधान में तीज माता की सवारी शाही लवाजमे और गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। बस स्टैंड पर नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप इसरानी सहित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने पूजा-अर्चना कर सवारी को रवाना किया। सवारी प्रमुख मार्गों से होती हुई पहाड़ी चुंगी नाका स्थित मेला स्थल पहुंची। सवारी ने निवाई की लोक परंपरा और सामाजिक उत्सव को जीवंत कर दिया। सवारी के दौरान घोड़ी पर सवार दो दरबान और पारंपरिक लवाजमा आकर्षण का केंद्र रहे। मार्ग में लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

बिजनेस

“ सफलता छोटे-छोटे प्रयासों का योग है, जिन्हें दिन-रात दोहराया जाता है।
-रॉबर्ट कोलियर

मुख्यमंत्री के निर्देश पर खान विभाग ने बनाई कार्ययोजना

डेरी-बसंतगढ़ में खनिज भंडारों की खोज व खनन की तैयारी

बेधड़क | जयपुर

सिरोही आबूरोड के डेरी, बसंतगढ़ और आसपास के क्षेत्र में कॉपर, लेड, जिंक और अन्य सह खनिज भण्डार के आरंभिक उत्साहजनक संकेत मिले हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के बाद खान विभाग ने इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा ने आरएसएमएम के प्रबंध निदेशक, खान विभाग, आरएसएमएम तथा जीएमआरआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर क्षेत्र में एक्सप्लोरेशन और खनन की भावी रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने उपलब्ध आंकड़ों का विशेषज्ञ संस्थाओं से विश्लेषण कराने और तत्काल आगे की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए।

सदर्न देहली फोल्ड बेल्ट में व्यापक संभावनाएं

अरोड़ा ने कहा कि सदर्न देहली फोल्ड पॉलिमेटेलिक बेल्ट का अम्बाजी-डेरी-बसंतगढ़ क्षेत्र कॉपर, लेड-जिंक एवं सह खनिजों की दृष्टि से अत्यधिक संभावनाशील है। ऐसे में क्षेत्र में तत्काल विस्तृत एक्सप्लोरेशन कर खनिज भंडारों की मात्रा और गुणवत्ता का वास्तविक आकलन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने आरएसएमएम को एक्सप्लोरेशन मैनेजमेंट कंसल्टेंसी की सहायता लेने के भी निर्देश दिए। एसीएस ने कहा कि उपलब्ध संकेतों के आधार पर कॉपर के साथ लेड-जिंक और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार मिलने की संभावना है। इनके समुचित आकलन और खनन से राजस्थान के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सकती है। क्षेत्र में भूमिगत खनन तकनीक अपनाए जाने की संभावना है।

RSMM तेजी से बढ़ाएगा कदम

आरएसएमएम के प्रबंध निदेशक पी. रमेश ने बताया कि डेरी-बसंतगढ़ ब्लॉक में कॉपर, लेड-जिंक और अन्य खनिजों के संकेतों को देखते हुए आरएसएमएम तेजी से कार्रवाई करेगा। उपलब्ध डेटा का विशेषज्ञ संस्थाओं से विश्लेषण कराया जाएगा, ताकि महत्वपूर्ण खनिजों के खनन की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। बैठक में विशिष्ट सचिव नम्रता वृष्णि, निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एडीजी जयपुर आलोक प्रकाश जैन, एसजी संजय सक्सेना, सुनील कुमार वर्मा तथा आरएसएमएम के जीजीएम अरुण सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बिकवाली से दिग्गजों का बुरा हाल

5 कंपनियों को 1 लाख करोड़ का फटका

एजेंसी | नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह गिरावट के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से करीब एक लाख करोड़ रुपए की कमी आई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक नुकसान हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 489.92 अंक यानी 0.62 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 204.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत गिरा। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टीसीएस के बाजार मूल्य में कमी आई। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 34,263.28 करोड़ रुपए घटकर 8,53,506.85 करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 31,869.13 करोड़ रुपए घटकर 17,70,056.06 करोड़ रुपए और एसबीआई का मूल्यांकन 25,891.88 करोड़ रुपए घटकर 9,85,829.96 करोड़ रुपए हो गया। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में क्रमशः 7,165.37 करोड़ और 2,792.65 करोड़ रुपए की कमी आई। इसके विपरीत एलआईसी, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में कुल 55,149.45 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

यूरोप बना भारतीय ईवी का बड़ा बाजार

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में यूरोप भारतीय इलेक्ट्रिक मोटर कारों के निर्यात का सबसे बड़ा गंतव्य बनकर उभरा है। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में इलेक्ट्रिक कारों का निर्यात एक साल पहले के 1,309 वाहनों से बढ़कर 10,802 इकाइयों पर पहुंच गया। निर्यात आय भी 2.22 करोड़ डॉलर से बढ़कर 36.9 करोड़ डॉलर हो गई। ब्रिटेन दूसरा सबसे बड़ा बाजार रहा। एक अधिकारी ने कहा कि निर्यात में यह तेज वृद्धि भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता और टिकाऊ परिवहन समाधानों के लिए भारत के महत्वपूर्ण उत्पादन केंद्र के रूप में उभरने को दर्शाती है।

स्पोर्ट्स

आज के मुकाबले

जर्मनी v/s इजराइल
समय: सुबह 11.00 बजे से
केरावा (टी20 विश्व कप)

श्रीलंका v/s भारत
समय: सुबह 10.00 बजे से
गॉल (टेस्ट मैच)

टेस्ट मैच: पडिक्कल ने खेली 167 रन की शानदार पारी

भारत 460 रन पर मजबूत

एजेंसी | गॉल

देवदत्त पडिक्कल के शानदार 167 रन और ध्रुव जुरेल के उपयोगी अर्धशतक की बदौलत भारत ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को स्टंप्स तक नौ विकेट पर 460 रन बना लिए। भारत ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 288 रन से की थी और 172 रन जोड़कर सात विकेट गंवाए। स्टंप्स के समय कुलदीप यादव 12 और प्रसिद्ध कृष्णा एक रन बनाकर क्रीज पर थे। लगातार बारिश और मैदान गीला होने के कारण खेल दोपहर में शुरू हो सका। श्रीलंकाई स्पिनरों ने पहले दिन की तुलना में लाइन-लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर रन नहीं बनाने दिए। हालांकि, पिच से स्पिनरों को मिल रही मदद के बावजूद भारत ने बड़ा स्कोर खड़ा कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

जुरेल ने आठ पारियों बाद लगाया अर्धशतक

चाय तक भारत पांच विकेट पर 364 रन बना चुका था। इसके बाद रविंद्र जडेजा 13 रन बनाकर नुवंता की गेंद पर पगबाधा हुए। पिछले कुछ मैचों से रन बनाने के लिए जूझ रहे ध्रुव जुरेल ने शानदार वापसी की और 51 रन बनाए। 29 रन के स्कोर पर उन्हें जीवनदान मिला, जब श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डि सिल्वा ने जयसूर्या की गेंद पर स्लिप में उनका आसान कैच छोड़ दिया। जुरेल ने इसका पूरा फायदा उठाया और आठ पारियों के बाद अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने नुवंता की गेंद पर छक्का और लाहिरू कुमारा की गेंद पर चौका लगाया।

447 रन तक पहुंची इंडिया टीम

जुरेल ने मानव सुथार के साथ सातवें विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी की। हालांकि, जयसूर्या की गेंद पर धनंजय ने जुरेल का शानदार कैच लेकर अपनी गलती की भरपाई कर दी। सुथार ने मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर स्कोर 447 रन तक पहुंचाया, लेकिन इसी स्कोर पर दोनों बल्लेबाज आउट हो गए। भारत ने दूसरे दिन सात विकेट गंवाए, लेकिन कुल स्कोर और पिच की परिस्थितियों को देखते हुए टीम अब भी मजबूत स्थिति में है। श्रीलंका को लगातार दो विकेट मिलने के बाद दबाव बढ़ा और चाय से ठीक पहले उसने पडिक्कल को भी पवेलियन भेज दिया।

सतीश पूनिया की स्मृति में खेल महोत्सव

अर्जुन बने भारत केसरी

बेधड़क | जयपुर

चूरू के राजगढ़ में पद्मश्री कृष्णा पूनिया स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में सतीश पूनिया की स्मृति में आयोजित भारत केसरी दंगल में प्रथम रहे अर्जुन रुहिल को 51 हजार रुपए नकद और भारत केसरी का खिताब तथा उपविजेता जयपुर के रक्षित चौधरी को रजत पदक के साथ 31 हजार रुपए का पुरस्कार मिला। लंबी कूद में जयपुर के मगराज सिंह ने दूसरा स्थान हासिल कर 11 हजार रुपए का पुरस्कार जीता। समापन समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, चूरू सांसद राहुल कस्वां, विधायक नरेंद्र बुड़ानिया, पूसाराम गोदारा, अनिल शर्मा, मनोज मेघवाल, हाकिम अली, रफीक मंडेलिया तथा बलवान पूनिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

महिला हॉकी वर्ल्ड कप

भारत-चीन मैच दो-दो से ड्रॉ

एजेंसी | एम्सटेलवीन

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज चीन को महिला हॉकी वर्ल्ड कप के पहले मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। भारत की ओर से नवनीत कौर और दीपिका ने गोल किए, जबकि चीन के लिए यिंग झांग और मा निंग ने गोल दागे। भारत का अगला मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। वैगनर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने आक्रामक शुरुआत की। आठवें मिनट में नेहा के पास पर नवनीत कौर ने फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। चीन को 14वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला। भारत ने रेफरल लिया, लेकिन फैसला बरकरार रहा और यिंग झांग ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने फिर दबाव बनाया। 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दीपिका ने शानदार ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा। तीसरे क्वार्टर में चीन ने आक्रामक खेल दिखाया।

राजस्थानी भाषा और संस्कृति पर दो स्पेशल प्रोग्राम शुरू, एक 'आओ सीखां राजस्थानी' और दूसरा 'आवो नाचां'

गणगौर टीवी सिखा रह्यो है 'आपणी भाषा' अर 'आपणो नाच'

अजीत सिंह तंवर और मनीषा कंवर बता रहे लोकनृत्य की बारीकियां

बेधड़क | जयपुर

अजीत सिंह तंवर और मनीषा कंवर का स्वागत करते पवन अरोड़ा।

राजस्थानी भाषा और संस्कृति को समर्पित राजस्थान का एकमात्र चैनल गणगौर टेलीविजन लोक संस्कृति, लोकनृत्य और राजस्थानी संगीत को देश-दुनिया के दर्शकों तक पहुंचाने की अपनी मुहिम को लगातार आगे बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में गणगौर टेलीविजन के लोकप्रिय कार्यक्रम 'आवो नाचां' के सीजन-2 का आज गणगौर टेलीविजन के नए भव्य कार्यालय और अत्याधुनिक स्टूडियो में शानदार आगाज हुआ। शो का पहला सीजन TRP में नंबर-1 रहा और दर्शकों के बीच इसे खासा पसंद किया गया।

'आवो नाचां' में प्रसिद्ध कोरियोग्राफर अजीत सिंह तंवर राजस्थानी लोकगीतों और लोकप्रिय राजस्थानी गानों पर दर्शकों को डांस स्टेप्स के साथ-साथ लोकनृत्य की बारीकियां और तकनीक भी सिखाते हैं। पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद अब सीजन-2 में राजस्थानी लोकनृत्य और संस्कृति को और बेहतर एवं नए अंदाज में दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी है। इस अवसर पर गणगौर टेलीविजन के सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर पवन अरोड़ा ने प्रसिद्ध कोरियोग्राफर अजीत सिंह तंवर को बुके भेंट कर सीजन-2 के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही अजीत सिंह तंवर के साथ कार्यक्रम में सहयोग करने वाली मनीषा कंवर को भी बुके भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं।

पवन अरोड़ा ने कहा कि 'आवो नाचां' का पहला सीजन TRP में नंबर-1 रहा और दर्शकों ने इसे भरपूर प्यार दिया। उन्हें विश्वास है कि सीजन-2 भी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। वहीं, सीजन-2 के पहले शूट को लेकर प्रसिद्ध कोरियोग्राफर अजीत सिंह तंवर ने बताया कि आज जिस गीत पर शूट किया जा रहा है, वह राजस्थान की पहचान 'घूमर' है। उन्होंने कहा कि घूमर को केवल एक नृत्य के रूप में देखना सही नहीं है, बल्कि यह राजस्थानी संस्कृति और संस्कारों का प्रतिनिधित्व करता है।

अजीत सिंह तंवर ने बताया कि घूमर एक सामूहिक लोकनृत्य है और इसमें फुटवर्क की अपनी विशेष तकनीक होती है। इसमें सामान्य डांस की तरह 'ठुमका' इस्तेमाल नहीं किया जाता। घूमर में पैरों के स्विंग, आगे बढ़ने की तकनीक और सर्कल में मूवमेंट का अपना अलग तरीका है। खास तौर पर आगे की ओर बढ़ते समय पैरों को किस तरह रखा जाए, यह तकनीक सामूहिक रूप से घूमर करते समय बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बताया कि घूमर की खूबसूरती केवल इसके स्टेप्स में नहीं, बल्कि इसके अदब और सम्मान की भाव-भंगिमा में भी दिखाई देती है। घूमर करते समय नजरें नीची रखना और शरीर को सहज रूप से थोड़ा झुकाकर रखना किसी सामान्य डांस तकनीक का हिस्सा नहीं, बल्कि राजस्थानी संस्कृति में बड़ों के प्रति सम्मान और विनम्रता का प्रतीक है।

अजीत सिंह तंवर के मुताबिक, जब महिलाएं परिवार और बड़े-बुजुर्गों के सामने घूमर करती हैं, तो उनके नृत्य में वही संस्कार और आदर दिखाई देता है, जिस तरह राजस्थान में बहू-बेटियां अपने बड़ों के सामने सम्मान के साथ पेश आती हैं। यही वजह है कि घूमर में नृत्य की तकनीक के साथ-साथ राजस्थान के संस्कार, मर्यादा और संस्कृति की झलक भी दिखाई देती है। 'आवो नाचां' सीजन-2 हर सोमवार से शनिवार, सुबह 11 बजे और शाम 5 बजे, सिर्फ गणगौर टेलीविजन पर प्रसारित होगा। कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थानी लोकगीतों और लोकनृत्यों को उनकी तकनीक, परंपरा और सांस्कृतिक महत्व के साथ दर्शकों तक पहुंचाने का सिलसिला जारी रहेगा।

पवन अरोड़ा के साथ अजीत सिंह तंवर और मनीषा कंवर।

नृत्य सिखाते अजीत सिंह तंवर और मनीषा कंवर।

स्वाति जांगिड़ और सत्येंद्र सिंह चारण दे रहे मायड़ भाषा का ज्ञान

अंशु हर्ष | बेधड़क

जयपुर। राजस्थान केवल वीरों, किलों और रंगों की धरती ही नहीं, बल्कि समृद्ध भाषा, लोक संस्कृति, लोक साहित्य और परंपराओं की अनुपम धरोहर है।

इसी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और राजस्थानी भाषा के प्रति अपनापन जागृत करने के उद्देश्य से गणगौर टीवी एक विशेष कार्यक्रम 'आओ सीखां राजस्थानी' 15 अगस्त से प्रारंभ हुआ, जिसमें बहुत ही रोचक प्रस्तुति के साथ स्वाति जांगिड़ और सत्येंद्र सिंह चारण राजस्थानी सिखा रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से दर्शकों को राजस्थानी भाषा को सरल, रोचक और व्यावहारिक ढंग से सीखने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक कड़ी में राजस्थानी के प्रचलित शब्द, दैनिक बोलचाल के वाक्य, मुहावरे, लोकोक्तियां, कहावतें, लोककथाएं, लोकगीत तथा राजस्थान की समृद्ध लोक परंपराओं का परिचय कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भाषा सिखाना नहीं, बल्कि उस संस्कृति, संवेदना और जीवन-दर्शन से भी परिचित कराना है, जो राजस्थानी भाषा में रचा-बसा है।

'राजस्थान' शब्द का अर्थ है 'राजाओं का स्थान' अथवा 'राज का स्थान'। इतिहास में अंग्रेजों के शासनकाल में इस क्षेत्र को 'राजपूताना' के नाम से भी जाना गया। बाद में इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड ने अपनी प्रसिद्ध कृति Annals and Antiquities of Rajasthan के माध्यम से 'राजस्थान' नाम को व्यापक पहचान दिलाई। वहीं, प्रख्यात भाषाविद् सर जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने अपने ऐतिहासिक Linguistic Survey of India में इस प्रदेश की भाषा को 'राजस्थानी' के रूप में वर्गीकृत किया।

आज यही नाम व्यापक रूप से स्वीकार्य और प्रचलित है। राजस्थानी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि सदियों से संचित लोकज्ञान, संस्कार, लोकस्मृतियों और जीवन मूल्यों की वाहक है। इसकी मिठास, आत्मीयता और अभिव्यक्ति की सहजता इसे भारत की सबसे समृद्ध लोकभाषाओं में स्थान दिलाती है।

'आओ सीखां राजस्थानी' केवल भाषा सीखने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि अपनी मायड़ भाषा, अपनी संस्कृति और अपनी जड़ों से जुड़ने का एक जन-अभियान है। आइए, हम सब मिलकर अपनी मातृभाषा का सम्मान करें, उसे बोलें, सीखें, सिखाएं और आने वाली पीढ़ियों तक गर्व के साथ पहुंचाएं। 'मायड़ भाषा - मायड़ो मान, राजस्थान री पहचान।'

स्वाति जांगिड़ और सत्येंद्र सिंह चारण।

स्वाति जांगिड़।

सत्येंद्र सिंह चारण।

Yuva स्टोरीज

महिलाओं ने किया तीज सेलिब्रेशन

बेधड़क. जयपुर। जगतपुरा स्थित आवासीय सोसायटी ग्रीन एवेन्यू में लेडीज ने पारंपरिक उत्साह, खुशी और एकजुटता के साथ तीज महोत्सव मनाया। लहंगे, लहरिया और मोठरा साड़ियों सहित जीवंत पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने समारोह में भारतीय संस्कृति का रंगीन स्पर्श जोड़ा। रीना गुप्ता को मिसेज तीज का ताज पहनाया गया, जबकि नीलम राठौड़ को मिसेज आशादीप का ताज मिला। कार्यक्रम का निर्णयन सूरज देवी और मंजू गुप्ता ने किया। सांस्कृतिक सचिव प्रियंका राणा और निशा भरतिया ने कार्यक्रम का संचालन किया, जिसमें मनोरंजक खेल, नृत्य प्रस्तुतियां और रैंप वॉक शामिल रहे। मंदिर समिति की प्रमुख अंकिता कुलश्रेष्ठ ने सहयोग दिया, जबकि सचिव रेखा हाजेले ने कार्यक्रम की सफलता में भूमिका निभाई। इस अवसर पर महिलाओं ने तीज उत्सव से संबंधित विभिन्न गीत गाए।

डांडिया महारास का पोस्टर लॉन्च

बेधड़क. जयपुर। एसकेजे ज्वेलर्स डांडिया महारास-2026 का पोस्टर रविवार को एक होटल में मिस इंडिया ग्लैम के संस्थापक-निदेशक पवन टांक, तमन्ना राव, हर्षिता वर्मा, बुशरा खान और कामना राजपुरोहित ने लॉन्च किया। फर्स्ट इंडिया न्यूज और यूनिक बिल्डर्स द्वारा प्रस्तुत तीन दिवसीय उत्सव 17 से 19 अक्टूबर तक शाम 5 से रात 10 बजे तक जानकी पैराडाइज, वैशाली नगर में होगा। इस मौके पर डॉ. जगदीश चंद्र भी मौजूद रहे। उन्होंने डांडिया उत्सव से पहले पवन टांक को बधाई दी। गौरतलब है कि 15वां संस्करण 'डांडिया महारास दिल से' थीम पर होगा, जिसमें मां दुर्गा का दरबार, डांडिया, गरबा, संगीत और मिस इंडिया ग्लैम की सेलिब्रिटी मॉडल्स की प्रस्तुतियां खास होंगी। महारास की मैनेजर कामना राजपुरोहित ने कहा कि 15 वर्षों में उत्सव वैशाली नगर में नवरात्रि के लोकप्रिय आयोजनों में शामिल है। डांडिया किंग और क्वीन, बेस्ट डांडिया डांस, बेस्ट कपल और बेस्ट कॉस्ट्यूम सहित विभिन्न खिताब दिए जाएंगे।

गजल और आदित्य की हुई रिंग सेरेमनी

नवविवाहित जोड़े गजल और आदित्य को शुभकामनाएं देते डॉ. जगदीश चंद्र। साथ में हैं संजय गुप्ता, तनु गुप्ता, अनिल कुमार गुप्ता (डीजे), दीपा गुप्ता और अजय शर्मा।

बेधड़क | जयपुर

फेमस बिजनेसमैन संजय गुप्ता और तनु गुप्ता की बेटी गजल व जिला जज अनिल कुमार गुप्ता और दीपा गुप्ता के बेटे आदित्य की रिंग सेरेमनी शनिवार को चंदन वन में आयोजित की गई। समारोह में डॉ. जगदीश चंद्र ने जोड़े को आशीर्वाद दिया व दोनों परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उत्सव के दौरान केक कटिंग सेरेमनी का भी आयोजन किया गया। वहीं, सिंगर हरमन कौर ने सुरमयी प्रस्तुति से शाम को मधुर बनाया। समारोह में परिवारजन, मित्र और शुभचिंतकों सहित न्यूज नेशन के संपादक अजय शर्मा, पूर्व मुख्य सचिव एन.सी. गोयल, रेनू शर्मा और मेघना शर्मा सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे।

सिंगर हरमन कौर।

वंडर होम्स की महिलाओं ने मनाया तीज उत्सव

जयपुर। कमला नेहरू नगर वंडर होम्स की महिलाओं ने तीज का पारंपरिक त्योहार वैशाली नगर स्थित एक रिसोर्ट में सेलिब्रेट किया। जहां महिलाओं ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें रंग-बिरंगे लहरिया के साथ डांस किया गया और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। लेडीज ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए इस उत्सव का महत्व भी साझा किया।

शिविर में जयपुराइट्स हुए लाभान्वित

बेधड़क. जयपुर। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) की ओर से शैल्बी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से श्रीदिगंबर जैन धर्मशाला, दीवान अमरचंदजी, लालजी सांड का रास्ता में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श व जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ई.सी.जी., टी.एस.एच. व बी.एम.डी. (हड्डियों में कैल्शियम की जांच) जांचें निःशुल्क की गईं। शिविर में वरिष्ठ जोड़ व हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक शर्मा, वरिष्ठ रीढ़ की हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण गुप्ता व वरिष्ठ सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष चौधरी ने सेवाएं दीं। बीएमआई जांच उमेश सिंघल की ओर से की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुखराज प्रजापति, विधायक प्रत्याशी किशनगढ़ विधानसभा व राजस्थान युवा प्रदेश अध्यक्ष श्रीश्री यादे शक्ति सेना ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के ऐसे प्रयास सराहनीय हैं। फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भंवर व मनीषा जैन 'कुसुम' ने भी विचार रखे। कार्यक्रम की सफलता में शैल्बी हॉस्पिटल से मार्केटिंग के संजय मिश्रा का सहयोग रहा। आयोजन में धर्मशाला कार्यकारिणी समिति का भी सहयोग रहा। समिति अध्यक्ष अनिल पाटनी (दीवान), मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी सहित यश जैन, राजीव भारती पाठक, एडवोकेट प्रेरणा जोशी, मंजू जैन, सुलोचना जैन, नितिन जैन उपस्थित रहे।

मिस ओशियन वर्ल्ड | **वेलकम सेरेमनी व अराइवल लुक लॉन्च**

20 कंट्रीज की मॉडल्स ने जयपुर में दिखाया जलवा

बेधड़क | जयपुर

मिस ओशियन वर्ल्ड के फिनाले वीक की शुरुआत जयपुर में हुई। फ्यूजन ग्रुप के डायरेक्टर व मिस ओशियन वर्ल्ड के आयोजक योगेश व निमिषा मिश्रा ने बताया कि 23 अगस्त को ग्रैंड फिनाले मानसरोवर स्थित अनंत महल में होगा। वहीं, पहले दिन के आयोजन में 20 कंट्रीज की वेलकम सेरेमनी व अराइवल लुक हुआ। अब सैश सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 20 कंट्री को कंट्री सैश पहनाए जाएंगे व तीसरे दिन फोटोजेनिक राउंड होगा और चौथे दिन जयपुर टूर की ओर से जयपुर के मॉन्यूमेंट्स, कल्चर, हेरिटेज को दिखाने के साथ ही विरासत हेरिटेज रेस्टोरेंट कूकस में राजस्थानी खान-पान से अवगत कराया जाएगा। मिस ओशियन वर्ल्ड डायरेक्टर एकता जैन व सीपी राठौड़ ने बताया कि जयपुर पहुंचने वाली कंट्री में यूनाइटेड किंगडम, जापान, साउथ सूडान, युगांडा, इंडोनेशिया, रशिया, जिम्बाब्वे, इंडिया, बांग्लादेश, केनिया, कैमरून, हांगकांग, अफ्रीका आदि खास हैं। अनंत महल के जनरल मैनेजर लोकेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि मिस ओशियन वर्ल्ड-2023 की विनर यूके की लौरा हडसन भी जयपुर क्राउन पासिंग सेरेमनी के लिए जयपुर पहुंची। गौरतलब है कि मिस ओशियन वर्ल्ड-2026 का आयोजन टूरिज्म और कल्चरल एक्सचेंज एक्टिविटीज के तहत जयपुर में हो रहा है।

ओटिमोई टॉम ओडुमा इकवारस, लॉरा हडसन और काना सगरा।

निमिषा मिश्रा और योगश मिश्रा।

फर्स्ट इंडिया न्यूज ऑफिस में स्वतंत्रता दिवस पर किया ध्वजारोहण, गूंजे देशभक्ति के तराने

देशभक्ति औपचारिक अवसरों तक सीमित नहीं रखें यह हमारे दैनिक जीवन में भी दिखाई देनी चाहिए

बेधड़क | जयपुर

फर्स्ट इंडिया न्यूज ऑफिस में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहा। डॉ. जगदीश चंद्र के साथ फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एंड मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा ने समारोह का नेतृत्व किया। पवन अरोड़ा ने फर्स्ट इंडिया न्यूज चैनल, फर्स्ट इंडिया न्यूज पेपर, गणगौर टीवी, सच बेधड़क दैनिक और फर्स्ट इंडिया प्लस ओटीटी की टीम की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया। सभी को शुभकामनाएं देते हुए पवन अरोड़ा ने कहा कि 'आज ऊंचाई पर लहराता तिरंगा केवल हमें विरासत में मिली आजादी का प्रतीक नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए कि आने वाली पीढ़ियां हमारे राष्ट्र की शक्ति, एकता और आत्मनिर्भरता पर गर्व करें। देशभक्ति को वर्ष में होने वाले दो औपचारिक अवसरों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में यह हमारे दैनिक जीवन में भी दिखाई देनी चाहिए। हमारे बहादुर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से मिली इस अमूल्य आजादी का सम्मान आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, राष्ट्रीय सुरक्षा और अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में निरंतर प्रयासों से किया जाना चाहिए। चाहे अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करना हो या चीन और अन्य पड़ोसी देशों के साथ अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करना, हर नागरिक को खुद को एक नागरिक सैनिक के रूप में देखना चाहिए और भारत की प्रगति में भूमिका निभानी चाहिए। जरूरी नहीं कि यह भूमिका सीमाओं पर ही हो, बल्कि जहां भी वे हैं, अपने दैनिक कर्तव्यों से निभाई जा सकती है।'

ध्वजारोहण करते पवन अरोड़ा। साथ में हैं राजेंद्र छाबड़ा, जिनेंद्र सिंह शेखावत, श्वेता मिश्रा अवस्थी, शिशिर अवस्थी, मुकेश आडवाणी, मोनी शर्मा और डिंपल शर्मा।

डॉ. जगदीश चंद्र का स्वागत करते पवन अरोड़ा और टीम। साथ में हैं बाएं से याकूब खान, जिनेंद्र सिंह शेखावत, श्वेता मिश्रा अवस्थी और शिशिर अवस्थी।

डॉ. जगदीश चंद्र और पवन अरोड़ा के साथ बाएं से दिव्या कांवलिया, कविता पंत, डिंपल शर्मा, पूनम शर्मा सोलंकी, डॉ. प्रज्ञा चंदेल, आयुषी महर्षि, इंदु राठौड़, वर्तिका जैन, श्वेता मिश्रा अवस्थी, रूमा, प्रियंका बेनीवाल, मिताली दुसाद, शिशिर अवस्थी, डॉ. राजेंद्र छाबड़ा, दीपिका शर्मा और लक्षिता जोशी।

पवन अरोड़ा के साथ बाएं से ऋषिकेश राजोरिया, दिलीप सोलंकी, राम लड्डू, डॉ. प्रज्ञा चंदेल, पूनम शर्मा सोलंकी, आयुषी महर्षि, मुकेश आडवाणी, याकूब खान, शिशिर अवस्थी, राजेंद्र छाबड़ा, जिनेंद्र सिंह शेखावत, श्वेता मिश्रा अवस्थी, कविता पंत, वर्तिका जैन, इंदु राठौड़, देवयानी व्यास, मिताली दुसाद, लक्षिता जोशी, पूजा शर्मा और डिंपल शर्मा।

स्कूली बच्चों का तबला और हारमोनियम वादन रहा खास

प्रताप नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने भावपूर्ण तबला और हारमोनियम वादन से समारोह में सांस्कृतिक रंग जोड़ा, जिसके बाद राष्ट्रगान की प्रस्तुति हुई। समारोह के दौरान पवन अरोड़ा ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। वहीं, टोकियो में आयोजित नाश्ते के कार्यक्रम में टीम के सदस्य एकत्र हुए, जहां डॉ. जगदीश चंद्र और पवन अरोड़ा ने व्यक्तिगत रूप से सभी को शुभकामनाएं दीं। गायक दिनेश गोपी और अंजलि वर्मा ने देशभक्ति गीतों से मुग्ध किया। आयोजन में परंपरा और एकजुटता का मेल देखने को मिला और दिन का हर पल नृत्य, संगीत और देशभक्ति से सराबोर रहा।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर के विद्यार्थियों को सम्मानित करते पवन अरोड़ा। साथ में हैं जिनेंद्र सिंह शेखावत और श्वेता मिश्रा अवस्थी।

City इवेंट्स

अमिया और काश्वी ने जगाई देशभक्ति

बेधड़क. जयपुर। स्वतंत्रता दिवस समारोह परेड और पब्लिक आयोजनों से आगे बढ़कर मनाया गया, जिसमें बच्चों और परिवारों ने अपने-अपने अंदाज में देशभक्ति की भावना दर्शाई। अमिया जाजू ने खूबसूरत साड़ी में शालीनता का परिचय दिया और राष्ट्रीय रंगों के साथ पोज देते हुए तिरंगे का बैज लगाया। वहीं, नन्हीं काश्वी अग्रवाल रंग-बिरंगे तिरंगे ट्यूनिक में नजर आईं। हाथों में गुब्बारे थामे और मासूम उत्साह के साथ उत्सव के माहौल का आनंद लेती हुईं दिखाई दी।

मरुधर माथुर समाज ने मनाया 15 अगस्त

बेधड़क. जयपुर। मरुधर माथुर समाज मानसरोवर में स्वतंत्रता दिवस मनाया। वरिष्ठ सदस्य प्रकाश चंद्र माथुर ने ध्वजारोहण किया। सचिव सुदेश रूप राय ने बताया कि समाज के प्रबुद्ध जनों रमेश, अंकुर, लखपत, दीपांशु, राकेश, एलएन, मोहित, निरंजन, विजय लक्ष्मी, दिनेश, अनुपमा, अलका, मीता, रेणु, सुनीता, शिल्पी, मोना, कोला, डा इंद्रा, मंजू, उर्वशी द्वारा देशभक्ति के गीत पेश किए गए, जिनको श्रोताओं ने खूब सराहा। इस अवसर पर अध्यक्ष एनएम माथुर, उपाध्यक्ष पीआर राय, करनी नारायण, उपसचिव पंकज, राजेश, मोना ने तिरंगे गुब्बारे हवा में छोड़े।

डॉ. जगदीश चंद्र को 'चेयरमैन शील्ड' सम्मान

बेधड़क | जयपुर

स्वतंत्रता दिवस पर वर्ल्ड ट्रेड पार्क के फ्लैग कोर्ट में विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान फर्स्ट इंडिया न्यूज के सीएमडी व एडिटर-इन-चीफ तथा भारत24: विजन ऑफ न्यू इंडिया के सीईओ एंड एडिटर-इन-चीफ डॉ. जगदीश चंद्र को देशहित में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ल्ड ट्रेड पार्क के सर्वोच्च सम्मान 'चेयरमैन शील्ड' से सम्मानित किया गया। वर्ल्ड ट्रेड पार्क की ओर से देश और समाज के बेहतर निर्माण में डॉ. चंद्र के योगदान को सराहते हुए विशेष सम्मान दिया गया। समारोह में वर्ल्ड ट्रेड पार्क के चेयरमैन अनूप बरतरिया, अश्मिता बरतरिया, रुचि बरतरिया सहित डब्ल्यूटीपी का स्टाफ मौजूद रहा। समारोह के दौरान डॉ. जगदीश चंद्र के योगदान की सराहना की गई और उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

डॉ. जगदीश चंद्र।

डॉ. जगदीश चंद्र का अभिवादन करतीं अश्मिता बरतरिया। साथ में हैं रुचि और अनूप बरतरिया।

बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

बेधड़क. जयपुर। उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर प्रताप नगर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार सिंह बारेठ, सेवानिवृत्त प्रोफेसर ने की। मुख्य अतिथि जीपी शर्मा, संयुक्त आयकर आयुक्त रहे, तो विशिष्ट अतिथि रामावतार खंडेलवाल, सोशल वर्कर शंभू दयाल अग्रवाल, अब्दुल अजीज खान, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच संभाग संयोजक उपस्थित रहे। वहीं, मुख्य वक्ता सांगानेर महानगर कार्यवाह भागचंद रहे। स्थानीय प्रबंध समिति के संरक्षक रमेश चंद गुप्ता, अध्यक्ष योगेंद्र लाभी, कोषाध्यक्ष मोहित विजयवर्गीय तथा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय प्रधानाचार्य कविता साहनी ने विद्यालय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया व अनुराधा व्यास के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। योगेंद्र ने अतिथियों का आभार जताया।

200 पूर्व छात्रों ने किया गेट टू गेदर

बेधड़क. जयपुर। महाराजा कॉलेज बडीज समिति की ओर से महाराजा म्यूजिकल ईव का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश से आए करीब 200 महाराजा कॉलेज के पूर्व छात्रों ने शिरकत की और पुरानी यादें साझा करते हुए एंजॉय किया। समिति अध्यक्ष पवन भगत व महासचिव सुनील भारद्वाज ने बताया कि समिति का प्रमोशनल वीडियो महाराजा कॉलेज व आरयू के पूर्व अध्यक्ष पुष्पेंद्र भारद्वाज तथा पूर्व प्राचार्य बी. के. शर्मा ने लॉन्च किया। वहीं, गोखले महाराजा एलुमनाई एसोसिएशन की वेबसाइट का शुभारंभ अमेरिका से आए पूर्व छात्र अशोक सारस्वत व कंवर सेन यादव ने किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति के सदस्य दीपक पंजाबी ने किया। कार्यक्रम की सफलता में अवनीश पंवार, मुकेश जैन, राकेश फोगाट, ललित सिंह सांचोरा, राम दाधीच सहित समिति के सदस्यों की भूमिका रही।

फैकल्टी सदस्यों को 30 लाख के पुरस्कार

बेधड़क. जयपुर। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) ने रविवार को स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया। समारोह की शुरुआत चांसलर डॉ. संदीप बख्शी ने ध्वजारोहण से की, जिसके बाद राष्ट्रगान और एनसीसी कैडेट परेड आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. बख्शी ने जेएनयू की उपलब्धियों को बताया। प्रो-चांसलर डॉ. एचएन वर्मा, प्रो-चांसलर (मेडिकल) डॉ. सुधीर भंडारी, कार्यकारी निदेशक डॉ. प्रीति बख्शी और वाइस चांसलर प्रो. आरएल रैना ने डॉ. बख्शी को यूएन-आईआईएमएसएएम सद्भावना राजदूत नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। शोध और प्रकाशनों में उत्कृष्टता के लिए फैकल्टी सदस्यों को 30 लाख रुपए के नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

24 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

बेधड़क. जयपुर। स्वतंत्रता दिवस पर समाज सेवक दोस्त फाउंडेशन (एसएसडी) की ओर से 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 24 विद्यार्थियों को कॉलेज फीस के लिए ₹5,000 प्रति विद्यार्थी, कुल ₹1.20 लाख की छात्रवृत्ति दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रामाज रिसोर्ट में बांटी खुशियां

बेधड़क. जयपुर। टोंक रोड स्थित रामाज रिसोर्ट पैलेस में रामअवतार टेलर व सुनीता टेलर (रिसोर्ट ऑनर) के साथ जीएम, स्टाफ व बाइकर ग्रुप्स ने झंडारोहण कर राष्ट्रगान गाते हुए स्वतंत्रता दिवस की खुशियां बांटी।

कविता, संगीत और नृत्य से वतन की माटी को नमन

बेधड़क | जयपुर

आजादी की वर्षगांठ पर जब कविता की पंक्तियों ने वतन की माटी को नमन किया व कलाकारों के स्वरों ने देशभक्ति के तराने छेड़े और नृत्य की भावभंगिमाओं में भारत की गौरवगाथा साकार हुई, तब राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर देशप्रेम के रंग में रंगा नजर आया। मौका था स्वतंत्रता दिवस पर एल.एम. ईश्वर फाउंडेशन की ओर से 'मेरा रंग दे बसंती चोला' कार्यक्रम का। म्यूजिक थेरेपिस्ट जोड़ी डॉ. रागिनी ईश्वर और धर्मवीर भाटिया का क्यूरेटेड आयोजन कविता, संगीत और नृत्य से राष्ट्रप्रेम की अभिव्यक्ति बना। कार्यक्रम के दो सत्र हुए, जिनमें पहला 'काव्यांजलि' और दूसरा 'वंदन' रहा। आयोजन वरिष्ठ पत्रकार व लेखक स्व. एल.एम. ईश्वर को समर्पित रहा। उनकी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम के पहले सत्र में प्रदेश के कवियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं से स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, भारत की गौरवगाथा और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावनाओं को स्वर दिए। 'काव्यांजलि' में लोकेश कुमार सिंह 'साहिल', संजय झाला और आकेश पार्थ के अलावा ज्योत्सना सक्सेना, शशि सक्सेना, कवि ब्रजेश भट्ट, रेनू शब्द मुखर आदि ने कविता व छंद से देशभक्ति की अलख जगाई। दूसरे सत्र में धर्मवीर भाटिया के संगीत निर्देशन में जयपुर और दिल्ली के कलाकारों ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। करीब 25 गायक कलाकारों के स्वरों का संगम सत्र का आकर्षण रहा। इसी कड़ी में देशभक्ति गीत 'मेरा रंग दे बसंती चोला' की प्रस्तुति ने वातावरण को राष्ट्रप्रेम की ऊर्जा से भर दिया।

संतुलन, साहस और टीम भावना का दिया परिचय

बेधड़क | जयपुर

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय-2, जयपुर में स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य व मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार टेलर ने ध्वजारोहण से किया। विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स तथा स्काउट व गाइड दल ने मार्च पास्ट प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रध्वज को सलामी दी। विद्यार्थियों ने समवेत स्वर में वंदे मातरम् का गायन किया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर मन मोहा। 'ऐ मेरे वतन के लोगों', 'कंधों से मिलते हैं कंधे' तथा 'है प्रीत जहां की रीत सदा' जैसे लोकप्रिय देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, पिरामिड प्रदर्शन खास रहा, जिसमें बच्चों ने अद्भुत संतुलन, साहस, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए आकर्षक पिरामिड बनाए। प्राचार्य प्रदीप कुमार टेलर ने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकारों का नाम नहीं है, बल्कि यह हमें अपने देश के प्रति कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में भूमिका निभाने का आह्वान किया। मंच संचालन तनिष्का व जाह्नवी ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

समय हमेशा घाव नहीं भरता, कभी-कभी वह बस उन्हें बेहतर ढंग से संभालना सिखाता है।
डॉ. जगदीश चंद्र, सीएमडी एंड एडिटर इन चीफ

पड़ोसी की एक बात ने बदल दी मेरे कॅरिअर की दिशा... मैं ऐसी नौकरी चाहता था, जिससे कभी रिटायर न होना पड़े: डॉ. जगदीश चंद्र

उन्होंने कहा, एक IAS अधिकारी चैनल नहीं चला सकता... मैंने ईटीवी के चेयरमैन से कहा: मुझे आजमाकर देखिए

डॉ. जगदीश चंद्र के साथ (बाएं से दाएं) 'द जेसी शो' के दौरान अंजनी कुमार सिंह, रंजना प्रसाद, आकांक्षा तोमर, पूजा यादव, पूर्णिमा मिश्रा, मनोज जग्यासी, अमित ओझा और अनु श्रीधर।

संतोष शर्मा

'द जेसी शो' के नवीनतम एपिसोड में **डॉ. जगदीश चंद्र** की रीजनल टेलीविजन से नेशनल स्टेज तक की यात्रा, भारत 24 के साथ फिर से नेशनल प्लेटफॉर्म पर अपनी पहचान बनाने की उनकी लंबे समय से चली आ रही महत्वाकांक्षा से प्रेरित रही। इस सफर में श्रीनगर में हुआ एक निर्णायक अनुभव और यह विश्वास भी महत्वपूर्ण रहा कि एक सार्थक कॅरिअर में पहचान के साथ-साथ व्यक्ति का व्यस्त और सक्रिय रहना भी जरूरी है। इस बेबाक बातचीत में डॉ. जगदीश चंद्र बताते हैं कि 'भारत 24' का आइडिया कैसे आया, श्रीनगर-दिल्ली फ्लाइट के दौरान उन्होंने किन दो इच्छाओं को पहचाना और आखिरकार वे दोनों कैसे पूरी हुईं। वे वीरेंद्र चौधरी, पवन अरोड़ा, के. बापिनीडू चौधरी और अनिता हाड़ा के कॉन्सेप्ट और प्रोफेशनल योगदान को भी स्वीकार करते हैं। डॉ. जगदीश चंद्र वर्ष 2008 में आईएएस से वीआरएस लेकर टेलीविजन की दुनिया में आने के फैसले के पीछे के हालात के बारे में भी बताते हैं, उन्होंने ईटीवी से शुरुआत की और आगे चलकर 18 चैनल लॉन्च किए। पेश हैं बातचीत के प्रमुख अंश...

● आज के JC शो की हेडलाइन है, 'संकल्प से सिद्धिः आखिर कैसे हकीकत में बदला नेशनल चैनल भारत24 लाने का सपना?' क्या आप इस आइडिया के बारे में बता सकते हैं?

डॉ. जगदीश चंद्रः 'संकल्प से सिद्धि' का मतलब है लक्ष्य तय करना, उसे पूरा करने का पक्का इरादा करना, उसे हासिल करना और यह साबित करना कि ऐसा किया जा सकता है। चार साल पहले, 'भारत24' हमारा लक्ष्य और मकसद था और आज हम इसकी चौथी वर्षगांठ मना रहे हैं। रीजनल टेलीविजन में काम करने और 'जी हिंदुस्तान' चलाने के बाद, हम जयपुर में 'फर्स्ट इंडिया' से जुड़े। रीजनल लेवल पर तो हम मजबूत थे, लेकिन हमारे पास कोई नेशनल प्लेटफॉर्म नहीं था। जब भी मैं दिल्ली जाता था, तो मुझे लगता था कि हमारी पहचान सिर्फ राजस्थान तक ही सीमित है। ताज के कॉफी शॉप में बैठे-बैठे मैंने सोचा कि हमें 'जी हिंदुस्तान' वाली परंपरा को फिर से शुरू करना चाहिए और एक नेशनल चैनल लॉन्च करना चाहिए। हमने उमर को पूरी योजना समझाई और मनोज से बात की, जिन्होंने 'भारत24' लॉन्च किया। हालांकि शुरुआत में लागत का अनुमान 2 रुपए था, लेकिन अंततः यह बढ़कर 4 रुपए यानी दोगुनी हो गई और आज भी इसमें निवेश की आवश्यकता बनी हुई है। इसके बावजूद यह प्रयोग सफल रहा है और भारत24 ने अपने पहले चार वर्षों में लगभग 95 प्रतिशत ब्रेक-ईवन (लागत-वसूली) तक पहुंच गया है।

● आपसे जुड़ी एक दिलचस्प कहानी यह है कि 'भारत24' का विचार सबसे पहले आपको श्रीनगर में आया था। वह पल कैसा था?

श्रीनगर में डल झील के सामने स्थित द ललित होटल में शाम करीब 7 बजे मैं तरबूज का जूस पी रहा था। तभी डूबता हुआ सूरज अचानक ओझल हो गया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि जिंदगी कितनी तेजी से गुजर रही है और मन में यह सवाल उठा कि क्या मेरी कोई इच्छा अभी भी अधूरी है। अगली सुबह श्रीनगर से दिल्ली की उड़ान के दौरान मैंने अपनी दो इच्छाओं को पहचाना- एक छोटी और दूसरी बड़ी। छोटी इच्छा थी कि घर में आम के पेड़ हों और अपने घर के आम खा सकूं। हमने चार पेड़ लगाए, जिनसे अब 250-300 आम मिलते हैं। बड़ी इच्छा अपना एक नेशनल चैनल शुरू करने की थी। मैंने इसे पूरा करने का संकल्प लिया और उसका परिणाम आज भारत24 के रूप में हमारे सामने है। आज मेरी दोनों इच्छाएं पूरी हो चुकी हैं। अब मैं खुद को ऐसा व्यक्ति मानता हूं, जिसकी कोई बड़ी इच्छा बाकी नहीं है और शायद इसी कारण मैं मोक्ष पाने का हकदार भी हूं।

● इन दो प्रेरक कारकों के अलावा, शुरुआती दौर में इस राष्ट्रीय चैनल को बनाने का आपका सपना साकार करने में वैचारिक स्तर पर किन लोगों के योगदान ने आपकी मदद की?

'फर्स्ट इंडिया' के डायरेक्टर वीरेंद्र चौधरी मेरे दोस्त, मार्गदर्शक और सलाहकार रहे हैं। वे एक बेहतरीन और जानकार व्यक्ति हैं, जिनकी सोच बहुत दूर की है। मैंने उनसे इस आइडिया पर चर्चा की थी। पवन अरोड़ा शुरू से ही हमारे मुख्य सलाहकार रहे हैं। वे मेरे भाई भी हैं और एक असाधारण व्यक्ति हैं। अपने आईएएस कॅरिअर के दौरान वे देश के टॉप पांच अधिकारियों में गिने जाते थे। काम को अंजाम तक पहुंचाने और नतीजे देने में वे बेमिसाल हैं। टेलीविजन के क्षेत्र में उन्होंने 'फर्स्ट इंडिया' में कई नए प्रयोग किए और इसके ऑफिस, सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह बदल दिया। हमने लगातार उनसे सलाह ली है, क्योंकि वे प्रगतिशील सोच वाले हैं और नए आइडिया को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने वैचारिक और योजना बनाने के स्तर पर भी अहम भूमिका निभाई है और वे धन्यवाद के पात्र हैं। 'भारत24' की न्यूज डायरेक्टर अनिता हाड़ा एक और अहम नाम हैं। वे बुद्धिमान, प्रतिभाशाली और हर काम में माहिर हैं। उन्हें कोई भी जिम्मेदारी सौंपिए, वे उसे बखूबी पूरा करती हैं। वे पिछले 15-20 सालों से हमारे साथ जुड़ी हुई हैं।

● इस सपने को साकार करने में के. बापिनीडू चौधरी के योगदान को आप किस प्रकार देखते हैं?

के. बापिनीडू चौधरी ईटीवी के दिनों के हमारे एक और दोस्त, मार्गदर्शक और सलाहकार थे। वे संभवतः 30-40 वर्षों तक रामोजी राव के साथ जुड़े रहे और रामोजी राव के निधन के बाद भी उन्होंने कभी कंपनी नहीं बदली। ईटीवी में हमारे 10 साल के सफर के दौरान वे हमारे लिए प्रेरणा बने रहे और उन्होंने बहुत सहयोग और मार्गदर्शन दिया। संपादकीय मामलों में रामोजी राव का रुख सख्त था, जबकि हमारा नजरिया कुछ हद तक नरम था। ऐसे में के. बापिनीडू चौधरी ने एक तरह से हमारे बीच पुल का काम किया। ईटीवी के सफर और उसकी तरक्की में उनका अहम योगदान रहा। 'भारत24' की कामयाबी के इस मौके पर उन्हें याद किया जा रहा है और उन्हें सलाम किया जा रहा है।

● अब आपके 18 साल लंबे टेलीविजन कॅरिअर की बात करते हैं। आप एक सफल आईएएस अधिकारी थे, लेकिन 30 साल की सेवा के बाद 1 सितंबर 2008 को आपने अचानक प्रतिष्ठित इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस से वीआरएस लेने और मीडिया इंडस्ट्री में आने का फैसला किया। आपने यह फैसला क्यों लिया?

दरअसल, यह सब मेरी कुंडली में ही लिखा था। जिंदगी में एक अहम मोड़ तब आया जब हाल ही में रिटायर हुए एक आईएएस अफसर ने मुझे बताया कि एक पड़ोसी, जो पहले उनका अभिवादन करता था, अब ऐसा नहीं करता। उस पड़ोसी ने साफ कहा कि उसका मन रिटायर हो चुके व्यक्ति का अभिवादन करने का नहीं करता और जब मैं रिटायर होऊंगा तो वह मेरा भी अभिवादन नहीं करेगा। उस समय मैं 58 साल का था और ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के पद पर था। उसकी बातों ने मुझे झकझोर कर रख दिया। उस शाम लगभग 8.30-9 बजे मैं मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के आवास पर गया और कहा कि मुझे ऐसा कॅरिअर चाहिए, जिससे मैं कभी रिटायर न होऊं। शुरू में उन्होंने इस विचार को खारिज कर दिया, लेकिन उनके प्रिंसिपल सेक्रेटरी सुनील अरोड़ा (जो बाद में मुख्य चुनाव आयुक्त बने) ने उन्हें मनाने में मदद की और आखिरकार मेरा वीआरएस मंजूर हो गया। फिर मैंने तय किया कि मुझे 'ठीक-ठाक व्यस्तता के साथ-साथ ठीक-ठाक पहचान' की जरूरत है। चूंकि भारत में पहचान या तो सरकार से मिलती थी या मीडिया से, इसलिए मैंने मीडिया को चुना। जब मुझे पता चला कि ईटीवी राजस्थान शुरू होने वाला है, तो मैं हैदराबाद गया और चेयरमैन से मंजूरी मांगी। उन्हें शक था कि कोई आईएएस अफसर चैनल चला सकता है या नहीं, लेकिन उन्होंने एचआर हेड, बिजनेस हेड और एडिटर के जरिए मेरा टेस्ट लिया। दो घंटे के इंटरव्यू के बाद मेरा चयन हो गया। जब सैलरी के बारे में पूछा गया, तो मैंने 1 रुपए की पेशकश की और कहा, 'घाटे में चल रही कंपनी से सैलरी लेना पाप है।' इससे प्रभावित होकर उन्होंने कहा, 'अब मेरी कंपनी सुरक्षित हाथों में है।' मैं जयपुर आ गया और धीरे-धीरे दो चैनल बढ़कर 18 हो गए। मैंने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

● आप पिछले 18 सालों से मीडिया इंडस्ट्री में हैं। आज पीछे मुड़कर देखने पर, अपने उस फैसले के बारे में आपको कैसा लगता है? क्या वह सही फैसला था?

बिल्कुल सही। कह सकते हैं कि मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं। कोई पछतावा नहीं है। मेरा मानना है कि मैंने मीडिया में सफलता के सभी पैमाने हासिल कर लिए हैं और भगवान ने हमें सब कुछ दिया है। अपने फैसले को पीछे मुड़कर देखने पर मुझे बिल्कुल भी पछतावा नहीं होता। आईएएस छोड़ने के बाद ईटीवी के साथ काम करते हुए एक दिन भी मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैंने आईएएस छोड़ दिया है। मुझे उसकी कमी कभी महसूस नहीं हुई। इसका मतलब है कि मैंने जो काम चुना था, वह मेरे लिए आईएएस से ज्यादा जरूरी था। वह मेरे लिए बेहतर और ज्यादा प्रासंगिक था। उसे करने में मुझे ज्यादा खुशी मिलती थी। इसलिए, मैं पूरी तरह खुश हूं और मुझे कोई पछतावा नहीं है।

● जब आप कॉलेज की पढ़ाई के लिए अपने गांव से शहर आए, तो आपको जयपुर कैसा लगा? और जयपुर आने के बाद क्या आपको अपने गांव और माता-पिता की याद नहीं आई?

बिल्कुल, मुझे उनकी बहुत याद आती थी। यह जीवन का एक हिस्सा है। हम आठ भाई-बहन थे और उन दिनों आज की तरह माता-पिता बच्चों को स्कूल छोड़ने या वापस लेने नहीं जाते थे। जब मैं रायसिंहनगर से गंगानगर जाने वाली बस में बैठा, तो मेरी मां मुझे छोड़ने आई थीं। मैं खिड़की के पास बैठा था और गांव से निकलते समय रोने लगा। मैं जोर-जोर से रोया और मेरी मां भी रोने लगीं। उन्होंने मुझसे कहा, 'सुनो, एक महान इंसान बनने के लिए तुम्हें घर छोड़ना ही होगा। रोओ मत।' इसलिए मैं चला आया और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। बचपन और उससे जुड़ी यादों की कमी जरूर महसूस होती थी, लेकिन समय हर घाव भर देता है। धीरे-धीरे सब कुछ ठीक होता गया और भगवान की कृपा से आज मैं यहां बैठा हूं।

● जब 2013 में गोवा में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया, तब उन्होंने ईटीवी को अपना पहला इंटरव्यू दिया था। आप मीडिया की उनकी समझ और इस उपलब्धि को किस तरह देखते हैं?

नरेंद्र मोदी असाधारण थे और उन्हें मीडिया की बेहतरीन समझ थी। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी वे एक साथ पत्रकार, प्लानर, एडवरटाइजर और डिजाइनर की भूमिका निभाते थे। मीडिया मैनेजमेंट और कंटेंट बनाने में वे बहुत माहिर थे। वे क्षेत्रीय मीडिया की अहमियत समझते थे। उस समय एनडीटीवी, इंडियन एक्सप्रेस, बीबीसी, टाइम्स और अन्य से 221 इंटरव्यू की रिक्वेस्ट पेंडिंग थीं, फिर भी उन्होंने अपने पहले इंटरव्यू के लिए ईटीवी को चुना। एक रात 11 बजे उन्होंने फोन किया और कहा, 'मैं तुम्हें इंटरव्यू दूंगा। मैं ईटीवी को इंटरव्यू दूंगा।' मैं तुरंत अहमदाबाद पहुंचा, जहां इंटरव्यू लगभग 75 मिनट तक चला। जब ईटीवी के सभी 18 चैनलों पर इसे दिखाया गया, तो करोड़ों लोगों ने एक साथ मोदी को सुना। बाद में उन्होंने मुझे दो और इंटरव्यू दिए। उन्होंने कहा कि उनका पहला इंटरव्यू ईटीवी को दिया गया था और उनका आखिरी इंटरव्यू भी हमें ही दिया जाएगा। स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए मशहूर ईटीवी के मालिक रामोजी राव के प्रति उनका सम्मान भी इसकी एक वजह थी।

● भारत24 की टैगलाइन है 'विजन ऑफ न्यू इंडिया'। इसका क्या मतलब है?

इसका अर्थ है नए भारत के निर्माण में योगदान देना। संयोग से नरेंद्र मोदी का नारा भी नए भारत के निर्माण से जुड़ा है और हम उन्हें इसके प्रमुख शिल्पकारों में से एक मानते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है, जैसा कि हमने पिछले 12 वर्षों में देखा है। उस विजन को आगे बढ़ाते हुए हमने महसूस किया कि मीडिया के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाना हमारे चैनल की राष्ट्रीय और नैतिक जिम्मेदारी भी है। इसी कारण हमने 'विजन ऑफ न्यू इंडिया' को अपनी टैगलाइन के रूप में अपनाया। आज के संदर्भ में इसे 'विकसित भारत 2047' के विजन के रूप में भी देखा जा सकता है। मूल रूप से यही हमारी टैगलाइन का अर्थ और उद्देश्य है।

● भारत24 के चर्चित शो 'मोदीः द अनटोल्ड स्टोरी' में नरेंद्र मोदी के पूर्व सहयोगियों और राजनीतिक साथियों की यादें शामिल हैं। इस शो को शुरू करने के पीछे क्या सोच थी और दर्शकों की प्रतिक्रिया कैसी रही?

इस पर लोगों का रिस्पॉन्स बहुत जबरदस्त रहा है। मुझे एक बार नरेंद्र मोदी के शुरुआती दिनों और गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान की कुछ अनोखी और खास बातें पता चलीं- जैसे कि वे कैसे किसी के घर जाते थे तो उनकी रसोई में चले जाते थे या स्कूली बच्चों से बातचीत करते थे। हमें लगा कि इस तरह की विशिष्ट और अनसुनी कहानियां दर्शकों तक पहुंचाई जानी चाहिए। इसलिए हम 'फर्स्ट इंडिया' और 'भारत24' पर चार साल से यह शो चला रहे हैं। यह रोजाना दो-दो मिनट के चार हिस्सों में दिखाया जाता है यानी कुल आठ मिनट का शो होता है। ऐसी कवरेज हमें दूसरे चैनलों से अलग बनाती है। लोग कभी-कभी पूछते हैं कि क्या यह किसी का 'एक्सटेंशन काउंटर' है, लेकिन यह टीआरपी के लिए की जाने वाली कवरेज नहीं है, यह लोकप्रियता पर आधारित कवरेज है। आखिर, वे देश के प्रधानमंत्री हैं। कितने चैनल गुजरात के दिनों के उनके अनुभवों और कहानियों को सामने लाते हैं? हम दिखाते हैं, और खुशी-खुशी दिखाते हैं। यही बात इस शो को खास बनाती है।

Click or Scan to watch The JC Show

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स के लिए मुद्रक व प्रकाशक अनिता हाड़ा सागवान द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 304-308 थर्ड फ्लोर, सिटी मॉल, भगवानदास रोड, सी-स्कीम जयपुर-302001 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डीबी कॉर्प लि., शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
प्रधान संपादक: डॉ. जगदीश चंद्र, **प्रबंध संपादक:** पवन अरोड़ा, **संपादक:** मनोज माथुर*, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 **फोन नं. :** 0141-4920504 (ऑफिस), **ई-मेल:** sachbedhadakdaily@gmail.com, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।